संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 327
पृष्ठ 8
मंगलवार
18 अगस्त 2026
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गाल और गर्दन की चर्बी...
विचार- क्यों सफल नहीं हो रही है जेन जी...
खेल- बांग्लादेश से हार के बाद ऑस्ट्रेलिया...

कोटेदारों को सीएम योगी की सौगात, कमीशन भी बढ़ा

जो कुछ नहीं कर पाए, वे आरोप-प्रत्यारोप लगाते हैं

लखनऊ,संवाददाता। राजध
ानी लखनऊ में सोमवार को लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिंगल स्टेज डोर–स्टेप डिलीवरी के तहत ई–पॉस आध
ारित उचित दर विक्रेता फीडबैक प्रणाली का शुभारंभ किया। इस मौके पर सीएम ने बटन दबाकर उत्तर प्रदेश के 78 हजार से अधिक उचित दर विक्रेताओं के लाभांश में हुई वृद्धि (90 रुपये से बढ़ाकर 125 रुपये प्रति कुंतल) का उपहार दिया। कहा कि मार्जिन मनी में 35 रुपये की वृद्धि (10 रुपये केंद्र सरकार व 25 रुपये राज्य सरकार) से आपने लंबी छलांग लगाई है। हमने 25 रुपये और बढ़ाने के लिए भारत सरकार को पत्र लिखा है। समय लगेगा, लेकिन यह कार्य हो गया तो आपके लिए और भी अच्छी व्यवस्था होगी।

सीएम योगी ने कोटेदारों से अपील की कि वह कार्य करिये, जिसमें सम्मान हो। जिसमें सम्मान न हो, वह कार्य कभी नहीं करना चाहिए। इससे पीढ़ियां खराब होती हैं, उन पर दुष्प्रभाव पड़ता है। अब कोई आप पर अंगुली नहीं उठा सकता। 2017 के पहले सपाई गरीब का राशन कार्ड अपने घर में रख लेता था, इससे वह भूख से मरता था। अब ऐसी स्थिति नहीं है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के जरिये प्रदेश के 15 करोड़ लोगों को लगातार निःशुल्क राशन मिल रहा है। निराश्रितोंदिव्यांगों का राशन घर तक पहुंचाने की व्यवस्था हो रही है। दो करोड़ परिवारों को फ्री में रसोई गैस के कनेक्शन, 1.53 करोड़ परिवारों को फ्री में बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। राशन की 10 हजार दुकानों को अन्नपूर्णा भवन के रूप में स्थापित किया गया है।

सीएम ने कहा कि आप 2017 से पहले भी मेहनत करते थे, लेकिन शासन राशन नहीं भेजता था तो गाली आपको खानी पड़ती थी। उनकी लूट का खामियाजा आपको भुगतना पड़ता था। लोग शक की निगाहों से देखते थे। कोटेदार शब्द से ही लोगों को चिढ़ सी होने लग गई थी। गलती आपकी नहीं थी। पाप कोई करता था, भुक्तभोगी कोई और होता था। उस समय सत्तासीन लोगों की नीयत में खोट था। उनके भ्रष्ट आचरण की आंच से चाहकर भी आप स्वयं को बचा नहीं सकते थे, जिससे उस समय यूपी की 20–22 करोड़ की आबादी शक की निगाहों से देखी जाती थी।

सीएम ने बेसिक शिक्षा परिषद का जिक्र किया। कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि स्कूल का वीडियो बनाएंगे, अरे! जरूर बनाओ। हमने ऑपरेशन कायाकल्प के माध्यम से हर स्कूल की अच्छी फ्लोरिंग कराई। सरकार बालक–बालिकाओं के लिए अलग टॉयलेट, पेयजल, स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी, फर्नीचर, 1.60 करोड़ बच्चों को बैग, किताबें, दो यूनिफॉर्म, जूता–मोजा, स्वेटर आदि सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। साल 2017 के पहले स्कूल का भवन नहीं होता था। यदि भवन था तो शिक्षक नहीं, शिक्षक थे तो छात्र नहीं।

प्रधानमंत्री मोदी का नई भाजपा टीम पर पूरा भरोसा, बोले–

संगठन और जनसेवा पर दें ध्यान

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (ठश्रच) के नए नियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों को बधाई दी और भरोसा जताया कि नई टीम संगठन को मजबूत करेगी और जनसेवा पर ध्यान देगी। ग पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि ठश्रच के नए नियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों और पार्टी में अलग–अलग जिम्मेदारियाँ पाने वाले सभी लोगों को बधाई। यह नई टीम संगठनात्मक अनुभव, ऊर्जा और जमीनी स्तर पर लोगों से जुड़ाव का संगम है। मुझे भरोसा है कि वे हमारी पार्टी को मजबूत करने और जनसेवा पर ध्यान देने में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देंगे। उन्हें मेरी शुभकामनाएँ।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय टीम में नव–नियुक्त सभी पदाधिकारियों को हार्दिक बध
ाई और शुभकामनाएँ। अनुभव और ऊर्जा के मेल से बनी यह टीम, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में संगठन को नई गति प्रदान करेगी। मुझे विश्वास है कि प्रत्येक सदस्य, एक समर्पित कार्यकर्ता की भावना के साथ, श्विकसित भारतश के संकल्प और राष्ट्र–निर्माण की प्रतिबद्धता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए संगठन को और मजबूत करेगा।

बीजेपी ने सोमवार को पार्टी प्रमुख नितिन नवीन के नेतृत्व में बड़े बदलाव की घोषणा की। इसके तहत नए राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई और कई नेताओं को अहम जिम्मेदारियां सौंपी गईं। ये नियुक्तियां तुरंत प्रभाव से लागू होंगी। पार्टी ने 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किए हैं, जिनमें राम माधव, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंध
रा राजे सिंधिया, बैजयंत जय पांडा, लोकसभा सांसद डी. पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, भारती पवार, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत और मनप्रीत सिंह बादल शामिल हैं।

इस बीच, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को बीजेपी का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

नौसेना को 1943 करोड़ में अमेरिका से ढाई साल के पट्टे पर मिलेंगे दो अत्याधुनिक समुद्री निगरानी ड्रोन

नयी दिल्ली। भारत ने समुद्री क्षेत्र विशेष रूप से हिन्द महासागर में निगरानी व्यवस्था को पुख्ता बनाने के लिए नौसेना के लिए 1943 करोड़ रुपये की लागत से अमेरिकी कंपनी से ढाई साल के लिए दो अत्याधुनिक ड्रोन प्रणाली लीज यानी पट्टे पर लेने के अनुबंध पर हस्ताक्षर किये हैं। रक्षा

मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि उसने नौसेना के लिए 30 महीने की अवधि के लिए दो एम क्यू–9बी सी गार्डियन हाई–एल्टीट्यूड लॉन्ग–एंड्यूरेंस श (एच ए एलई) रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम्स (आरपीएएस) को पट्टे पर लेने के लिए जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स, इंक के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके लिए दोनों के बीच करीब 1,943 करोड़ रुपये का अनुबंध हुआ है। इस अनुबंध
ा पर आज यहां रक्षा मंत्रालय में रक्षा विभाग के अपर सचिव एवं महानिदेशक (अधिग्रहण), ए. अनबरासु की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। उन्नत प्रणालियों, अत्याधुनिक सेंसरों और परिष्कृत पेलोड से लैस एम क्यू – 9 बी (सी गार्डियन) नौसेना की समुद्री क्षेत्र में निगरानी क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा। ये प्रणाली समुद्री क्षेत्र के विशाल इलाकों में निरंतर खुफिया, निगरानी और टोही कवरेज प्रदान करेंगी, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में होने वाले घटनाक्रमों की निगरानी करने और उन पर प्रतिक्रिया देने की भारत की क्षमता मजबूत होगी।

कांग्रेस ने दिलाया वंदे मातरम को सम्मान–संजय राउत

नासिक (महाराष्ट्र) एजेंसी। कांग्रेस मुख्यालय में श्वंदे मातरमश के कथित अपमान को लेकर जारी विवाद पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने सोमवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बनाई हुई कहानी बताया। उन्होंने दावा किया कि वंदे मातरम को आज जो सम्मान मिला है, वह कांग्रेस ने ही दिलाया है। संजय राउत ने कहा, यह सब भाजपा की बनाई हुई कहानी (नैरेटिव) है। वंदे मातरम को जो सम्मान मिला है, वह कांग्रेस ने ही दिलाया है। उन्होंने कहा, 1896 में जब के एक अधिवेशन में वंदे मातरम गाया गया था, तब कांग्रेस के अध्यक्ष एक मुस्लिम व्यक्ति रहिमतुल्ला सयानी थे। (केंद्रीय गृह मंत्री) अमित शाह को इतिहास पढ़ना चाहिए। भारत के स्वतंत्रता संग्राम, वंदे मातरम और राष्ट्रगान से उनका क्या संबंध है। वह व्यापारी हैं। 15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के दौरान वंदे मातरम का पूरा संस्करण गाया जा रहा था। इसी दौरान कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे से बात करते और इशारा करते देखा गया। भाजपा ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी ने वंदे मातरम को बीच में रोकने का संकेत दिया और इसे राष्ट्रीय गीत का अपमान बताया। गृह मंत्री अमित शाह ने भी कांग्रेस से माफी मांगने की मांग की। कांग्रेस ने आरोप खारिज करते हुए कहा कि सोनिया गांधी गीत रुकवाने के लिए नहीं, बल्कि काफी देर से खड़े खरगे के लिए कुर्सी मंगाने का इशारा कर रही थीं। अब इसी पर बवाल कटा है।

आईएसआई समर्थित शहजाद भट्टी नेटवर्क ध्वस्त, शाह बोले

14 राज्यों में 200 से ज्यादा लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि सुरक्षा एजेंसियों ने स्वतंत्रता दिवस से पहले पाकिस्तान के शहजाद भट्टी नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि 14 राज्यों में चलाए गए समन्वित अभियानों के तहत 200 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया और आतंकी हमलों की उनकी योजनाओं को नाकाम किया गया।

शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मोदी सरकार ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित आतंकी संगठन शहजाद भट्टी नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया और उसके विध्वंसक हमलों की योजनाओं को विफल कर दिया। गृह मंत्री के अनुसार, अभियान के दौरान इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के निशान वाले ग्रेनेड, पिस्तौल, जिंदा कारतूस और कथित तौर पर जासूसी के

लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सीसीटीवी कैमरे बरामद किए गए। गृह मंत्री शाह ने कहा कि देशभर में की गई यह कार्रवाई आतंकवाद के खिलाफ भारत की श्जीरो टॉलरेंसश् नीति को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि यह नेटवर्क कई आतंकी गतिविधि
यों में शामिल था। यह कार्रवाई देश के कई हिस्सों में भट्टी से जुड़े मॉड्यूल की जांच के बीच हुई है। 25 जुलाई को असम पुलिस ने बताया था कि उसकी स्पेशल टास्क फोर्स ने धुबरी, चिरांग और बारपेटा पुलिस के साथ मिलकर पाकिस्तान स्थित नेटवर्क से कथित तौर पर जुड़े तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। खुफिया जानकारी मिलने के बाद 24 जुलाई को यह कार्रवाई की गई थी। पुलिस ने अभियान के दौरान पांच मोबाइल फोन, सात सिम कार्ड, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, डेबिट कार्ड और अन्य दस्तावेज बरामद किए थे।

एसटीएफ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रणब कुमार पेगू ने कहा था कि यह नेटवर्क कथित तौर पर भर्ती, ऑनलाइन कट्टरपंथ, रेकी, लॉजिस्टिक्स, जासूसी, अवैध तरीके से हथियार हासिल करने, स्लीपर सेल बनाने और भारत के अलग–अलग हिस्सों में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने में मदद करने में शामिल था।

उन्होंने आरोप लगाया था कि यह नेटवर्क एन्क्रिप्टेड संचार माध्यमों के जरिए इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) से जुड़े पाकिस्तान स्थित हैंडलरों के निर्देश पर काम करता था। पेगू के अनुसार, जांच में कई फ्रंट संगठनों से भी इसके संबंध सामने आए थे। इनमें खालिस्तान आर्म्ड फोर्स, पंजाब सॉवरेनिटी अलायंस, खालिस्तान लिबरेशन आर्मी, शेर–ए–पंजाब ब्रिगेड, यूनाइटेड सिख ब्रदरहुड, सिख टाइगर्स ऑफ खालिस्तान और तहरीक–ए–तालिबान हिंदुस्तान शामिल हैं।

आरोप है कि इन संगठनों का इस्तेमाल नेटवर्क की संरचना और उसके सीमा पार संबंधों को छिपाने के लिए किया जाता था।

कोर्ट ने कहा– रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में हमें दीजिए

अयोध्या,संवाददाता। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की सोमवार दोपहर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने कोर्ट से कहा कि उन्हें भी जांच से जुड़ी रिपोर्ट दी जानी चाहिए, ताकि वे अदालत की मदद कर सकें। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा– जांच रिपोर्ट ऐसे लोगों को नहीं दी जा सकती, जो मामले से सीधे जुड़े नहीं हैं। इस पर वकील ने कहा– हम अजनबी नहीं हैं। यह याचिका भारत की जनता की ओर से दायर की गई है। उन्होंने कहा– हमें सच जानने का मौलिक अधिकार है। अगर जांच से जुड़ी जानकारी किसी आरोपी या जांच में मदद कर रहे व्यक्ति को दे दी गई और याचिकाकर्ताओं को इससे दूर रखा गया, तो वे अदालत की सहायता करने की स्थिति में नहीं रहेंगे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा– एसआईटी का गठन हमने किया है। यह अदालत के प्रति जवाबदेह और उत्तरदायी है। इसे अपनी रिपोर्ट हमें ही सौंपनी होगी। एक फॉरेंसिक ऑडिटर वाली एसआईटी अपनी स्टेटस रिपोर्ट बंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट में दाखिल करे। रिपोर्ट को पहले हम देखेंगे। उसके बाद तय करेंगे कि इसे सभी पक्षों को सौंपा जाए या नहीं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें चढ़ावा चोरी की सीबीआई जांच की मांग की गई थी। इससे पहले, कोर्ट ने 27 जुलाई को एसआईटी में फॉरेंसिक ऑडिटर को शामिल करने का निर्देश दिया था, ताकि वित्तीय अनियमितताओं का पता लगाने के लिए खातों और रिकॉर्ड्स की जांच कराई जा सके। कोर्ट ने 20 जुलाई को यूपी सरकार को नए सिरे से विशेष जांच टीम गठित करने का आदेश दिया था। इससे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गठित SIT की अध्यक्षता लखनऊ मंडल के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत कर रहे थे।

महाराष्ट्र के विकास पर प्रधानमंत्री से मिले देवेंद्र फडणवीस, केंद्र से माँगा और सहयोग

नई दिल्ली,एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रध
ानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात का मकसद राज्य में चल रही कई विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना और केंद्र–राज्य की संयुक्त पहलों के लिए अध
िक सहयोग की मांग करना था। बैठक के बाद, फडणवीस ने इस बातचीत को प्रेरणादायक बताया और महाराष्ट्र के विकास के रोडमैप के बारे में विस्तार से जानकारी दी। एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि आज नई दिल्ली में मैंने हमारे वैश्विक नेता और देश के प्रिय प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी से मुलाकात की। हमने कई विषयों पर विस्तार से चर्चा की। मैंने उन्हें कई विकास परियोजनाओं की प्रगति के बारे में बताया और केंद्र–राज्य की संयुक्त परियोजनाओं के लिए भारत सरकार से और अधिक सहयोग का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र के विकास को दिशा देने में प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन के महत्व पर जोर दिया और केंद्र सरकार से मिल रहे लगातार सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हमेशा की तरह, प्रधानमंत्री जी से मिलना प्रेरणादायक रहा और इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

विकास से जुड़े मुद्दों पर लगातार और बहुमूल्य मार्गदर्शन तथा महाराष्ट्र को मजबूत समर्थन देने के लिए मैं उनका सदैव आभारी हूँ! दिल्ली में बातचीत के बाद, फडणवीस मंगलवार को मुंबई लौटेंगे और इंडो–अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स के नेशनल कन्वेंशन 2026 में उद्घाटन भाषण देंगे। द ललित मुंबई में होने वाले इस कन्वेंशन का विषय भारत–अमेरिका व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नए सिरे से परिभाषित करना है और इसमें भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर समेत कई जाने–माने वक्ता शामिल होंगे।

यूजीसी–नेट री–एग्जाम पर राहुल गांधी का हमला, एनटीए से मांगा जवाब

गलती एनटीए की फिर सजा छात्रों को क्यों?

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को यूजीसी–नेट की दोबारा परीक्षा को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा। इसके साथ ही मांग की कि इसके लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया, 'यह अब शिक्षा व्यवस्था नहीं रह गई है। यह तो बस पैसा वसूलने वाली मशीन बन गई है।'

उन्होंने आगे कहा कि मोदी जी, देखिए आपकी एनटीए ने अभी क्या किया है। सोशियोलॉजी, इंग्लिश और कॉमर्स के लिए यूजीसी–नेट परीक्षाएं 22 से 30 जून के बीच हुई थीं। लगभग दो महीने बाद,एनटीए ने इन तीनों परीक्षाओं को रद्द कर दिया क्योंकि उसने गलत पेपर सेट किए थे और पुराने सवाल दोहराए थे। जिन हजारों उम्मीदवारों ने वर्षों तक तैयारी की, फॉर्म भरे, फीस दी और दूर–दराज के सेंटर्स तक का सफर किया, उन्हें अब सितंबर में यह सब फिर से करना होगा। गलती एनटीए करता है, लेकिन सजा छात्र भुगतते हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने आगे कहा,मैंने कोटा, देहरादून और प्रयागराज में यह बात कही थी और आगे भी कहता रहूंगा। यह अब कोई शिक्षा व्यवस्था नहीं रह गई है। यह एक एक्सट्रैक्शन मशीन (शोषण करने वाली मशीन) बन गई है। यह आपके पैसे, आपके साल, आपकी मानसिक सेहत और आपका आत्मविश्वास छीन लेती है और बदले में कुछ नहीं देती। यहां तक कि नौकरी भी नहीं। एनटीए अब भी असली सवाल का जवाब नहीं दे रहा है। क्या परीक्षा से पहले ये पेपर लीक हुए थे? उन्होंने आगे कहा, श्मोदी सरकार के बाकी विभागों की

तरह, एनटीए भी कभी अपनी गलती नहीं मानता। जैसे गड़बड़ी वाले दूसरे पेपर्स के मामले में हुआ, मुझे पूरा यकीन है कि इस बार भी किसी की जवाबदेही तय नहीं की जाएगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा पहला कदम था, आखिरी नहीं। उन्होंने मांग की, एनटीए की लीडरशिप को भी जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि, श्सितंबर में दोबारा यह परीक्षा देने वाले हर छात्र से मैं कहना चाहता हूं। समस्या आप नहीं हैं। पीएम मोदी ने एक ऐसी व्यवस्था बनाई है जो ठीक से परीक्षा आयोजित नहीं कर सकती और फिर परीक्षा देने वाले छात्रों को ही दोष देती है।

आपको साल छीने जा रहे हैं और जब तक पीएम मोदी इसका जवाब नहीं देते, हम नहीं रुकेंगे। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने रविवार को यूजीसी–नेट जून 2026 परीक्षा के तीन पेपर इंग्लिश, कॉमर्स और सोशियोलॉजी के लिए दोबारा परीक्षा कराने की घोषणा की। इन पेपरों में कई गलतियों की शिकायतें मिली थीं।

आरक्षी भर्ती की अंतिम उत्तर कुंजी रद्द करने की याचिका पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती–2023 के 60,244 पदों पर जारी अंतिम चयन परिणाम और 30 अक्टूबर 2024 की अंतिम उत्तर कुंजी को निरस्त करने की मांग वाली याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के सचिव से

जवाब तलब किया है। उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती–2023 के 60,244 पदों पर जारी अंतिम चयन परिणाम और 30 अक्तूबर 2024 की अंतिम उत्तर कुंजी को निरस्त करने की मांग वाली याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के सचिव से जवाब तलब किया है। न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम की एकल पीठ ने अमरनाथ यादव व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए बोर्ड को तीन सप्ताह में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। याचियों को जवाब पर प्रत्युत्तर दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी। याचियों की ओर से अधिवक्ता अनिरुद्ध पांडेय ने अदालत को बताया कि 60,244 आरक्षी पदों के लिए करीब 45 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। लिखित परीक्षा में 1,72,000 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया। याचियों का आरोप है कि 30 अक्तूबर 2024 को जारी अंतिम उत्तर कुंजी में कई विसंगतियां हैं। उनका कहना है कि पहली उत्तर कुंजी पर ऑनलाइन आपत्तियां दर्ज कराने के बावजूद संबंधित प्रश्नों और उत्तरों में अपेक्षित सुधार नहीं किया गया और बिना उचित संशोधन के अंतिम उत्तर कुंजी जारी कर दी गई। याचियों ने संबंधित प्रश्नों की गई आपत्तियों पर पुनर्विचार की मांग करते हुए अंतिम उत्तर कुंजी और 13 मार्च 2025 को जारी अंतिम चयन परिणाम को निरस्त करने की मांग की है।

भारी बारिश से हालात बेकाबू, करेली में एनडीआरएफ ने संभाला मोर्चा

प्रयागराज। प्रयागराज में रविवार रात से सोमवार में भोर तक हुई भारी बारिश के चलते शहर के कई इलाकों में हालात बेकाबू हो गए हैं। सड़कों और गलियों में घुटने भर से ज्यादा पानी भर गया है। प्रयागराज में रविवार रात से सोमवार में भोर तक हुई

भारी बारिश के चलते शहर के कई इलाकों में हालात बेकाबू हो गए हैं। सड़कों और गलियों में घुटने भर से ज्यादा पानी भर गया है। शहर के सिविल लाइंस, जार्जटाउन, कटरा, निरंजन डॉटपुल, लीडर रोड, राजरूपपुर, चौक, दारागंज, टैगोर टाउन, अलोपीबाग, करेली समेत कई मोहल्लों में घरों में पानी भर जाने से परेशानी बढ़ गई है। करेली में एनडीआरएफ की टीम को रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए लगाया गया है। कुरेली के जसीर की पुलिया के पास सोमवार को भारी बारिश के बाद पूरे इलाके में जलभराव की स्थिति बन गई। कई घरों में बारिश का पानी भर गया। सूचना मिलते ही एसीपी अतरसुइया राम सिंह, एनडीआरएफ के जवान तत्काल मौके पर पहुंचे। टीम ने तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। बोट की मदद से कई घरों में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। भारी बारिश के चलते सीएमपी डिग्री कॉलेज टापू में तब्दील हो गया है। मुख्य द्वार से लेकर पूरे परिसर में घुटने तक पानी भर गया है। महात्मा गांधी मार्ग से कॉलेज में जाने वाला प्रमुख मार्ग जल भराव के चलते बाधित होने के कारण छात्र–छात्राओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। यहां पर आए छात्र–छात्राएं नगर निगम की व्यवस्था को कोसते दिखे। उनका कहना है कि अगर जल निकासी की उचित व्यवस्था होती तो ऐसी स्थिति पैदा न होती।

क्रॉस कंट्री रेस में उन्मित और पुष्पा ने मारी बाजी

प्रयागराज। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित पांच किलोमीटर क्रॉस कंट्री रेस में पुरुष वर्ग में उन्मित यादव और महिला वर्ग में पुष्पा यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। जिला प्रशासन व क्षेत्रीय खेल कार्यालय की ओर से हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजित प्रतियोगिता में 217 पुरुष और 89 महिला खिलाड़ी शामिल रहे। मदन मोहन मालवीय स्टेडियम के तत्वाधान में 15 अगस्त को सुबह छह बजे चंद्रशेखर आजाद पार्क के गेट नंबर–3 से दौड़ शुरू हुई। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी व मुख्य अतिथि चंद्रोदय नारायण सिंह ने हरी झंडी दिखाकर खिलाड़ियों को रवाना किया। दौड़ हिंदू हॉस्टल, हनुमान मंदिर, मेडिकल चौराहा, बालसन चौराहा और इंडियन प्रेस चौराहा होते हुए वापस चंद्रशेखर आजाद पार्क के गेट नंबर–3 पर समाप्त हुई। पुरुष वर्ग में उन्मित यादव ने प्रथम स्थान हासिल किया। अमरेन्द्र दूसरे और देवेंद्र यादव तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में पुष्पा यादव ने बाजी मारी। श्रेया पटेल दूसरे और विजमा यादव तीसरे स्थान पर रहीं। विजेता खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पुष्पा श्रीवास्तव ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी शिव कुमार यादव, उप क्रीड़ा अधिकारी मनीष गुप्ता, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रणविजय सिंह, एमएच चौधरी और एथलेटिक्स प्रशिक्षक सत्येंद्र सिंह आदि रहे।

कारोबारी के घर से लाखों का सामान पार

प्रयागराज। जगदीशपुर चांधन निवासी एक कारोबारी के घर का ताला तोड़कर चोरों ने जेवर सहित नकदी की चोरी की। उसी मकान में किराये पर रह रहे पीआरबी के एक सिपाही की नकदी और सोने की जंजीर चोरी हो गई। जगदीशपुर चांधन निवासी कालिका प्रसाद श्रीवास्तव का रेडीमेड कपड़े का कारोबार मुंबई महानगर के धारावी में है। उन्होंने बताया कि वह 4 अगस्त को घर से मुंबई गए थे। बीती रात अज्ञात चोर कमरे का ताला तोड़कर कारोबारी के पत्नी के 3 लाख रुपये और सोने–चांदी के जेवर कर उठा ले गए। स्थानीय नवाबगंज में तैनात पीआरबी सिपाही शैलेंद्र पटेल कारोबारी के मकान में किराये पर रहता था। उनके अवकाश पर जाने के बाद उसके कमरे से चोर सोने की जंजीर और करीब एक लाख रुपये चोरी कर ले गए।

आपे की टक्कर से बाइक सवार तीन कावड़ियों की मौत, प्रयागराज–वाराणसी हाईवे पर हुआ हादसा

प्रयागराज। प्रयागराज–वाराणसी हाईवे पर रविवार देर शाम दर्दनाक हादसा हो गया। सरायइनायत थाना क्षेत्र में एक आपे की टक्कर से बाइक सवार तीन कांवड़ियों की मौत हो गई। तीनों कांवड़िये बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करने के लिए वाराणसी जा रहे थे।

प्रयागराज–वाराणसी हाईवे पर सरायइनायत थाना क्षेत्र के सरपतीपुर गांव में रविवार को देर शाम हुए सड़क हादसे में बाइक सवार तीन कांवड़ियों की मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वाले कांवड़िये बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करने के लिए बनारस जा रहे थे। सूचना पर इलाकाई पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रविवार को देर शाम एक बाइक पर सवार तीन कांवड़िये जलाभिषेक करने बनारस जा रहे थे। सरपतीपुर गांव स्थित सरस्वती द्वार के पास जीटी रोड पर कांवड़ियों की बाइक में पानी लदे एक आपे से जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें अशोक (30) पुत्र राम कैलाश निवासी गोहरी थाना फाफामऊ प्रयागराज की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शिव प्रकाश (25) पुत्र पप्पू और लल्लू (45) निवासी रामपुर दुवारी, थाना थरवई प्रयागराज ने एसआरएन में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे के बाद अप्पे पलट गया।

हादसे की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार गौतम पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और मृत कावड़ियों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गंभीर हादसे की सूचना पर डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत एसीपी थरवई अजेंद्र यादव भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मृत कावड़ियों की पहचान करने की कोशिश की पे सफलता नहीं मिली है। एसीपी थरवई अजेंद्र सिंह ने बताया कि कांवड़िए और अप्पे एक ही लेन में थे जिससे आमने सामने से टक्कर हो गई जिसमें तीन कावड़ियों की मृत्यु हो गई है। चालक समेत आपे को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। उधर आधे घंटे बाद कावड़ियों की बाइक आपस में टकरा गई जिससे सौरभ भारतीया (22) निवासी चकिया, धूमनगंज घायल हो गया। गंभीर हालत में उसे एसआरएन में भर्ती कराया गया है।

207 में भी हुई थी सड़क हादसे में कावड़ियों की मौत

सरायइनायत थाना क्षेत्र के हनुमानगंज बाजार में भी ट्रक की टक्कर से तीन कावड़ियों की मौत हुई थी जिसके बाद कावड़ियों ने जमकर बवाल काटा था। आक्रोशित कावड़ियों ने ट्रक में आग लगा दिया था। बड़ी मुश्किल से पुलिस ने कावड़ियों को समझा बुझा के शांत किया था। घटना के कुछ दिन पहले बरौत के ऊज थाने के पास भी ट्रक की टक्कर से कावड़ियों की मौत हुई थी जिसमें कावड़ियों ने जमकर बवाल किया था और कर वाहनों में आग लगा दिए थे। इन दो घटनाओं के बाद ही जिला प्रशासन द्वारा अगले वर्ष से सावन माह में जीटी रोड पर कावड़ियों के लिए एक लेन आरक्षित कर दिया गया था।

बिना ठोस आधार के बी–क्लास हिस्ट्रीशीट खोलना स्वतंत्रता पर हमला, हाईकोर्ट ने रद्द किया आदेश

प्रयागराज। बी–क्लास हिस्ट्रीशीट खोलने को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि महज कई मुकदमे दर्ज होना किसी व्यक्ति को पेशेवर अपराधी मानने के लिए पर्याप्त नहीं है। बिना ठोस आधार के हिस्ट्रीशीट खोलना व्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है। इसी टिप्पणी के साथ कोर्ट ने मेजा निवासी सत्येंद्र सिंह की बी–क्लास हिस्ट्रीशीट खोलने का आदेश रद्द कर दिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि बिना ठोस आधार के किसी व्यक्ति की बी–क्लास हिस्ट्रीशीट खोलना उसकी स्वतंत्रता पर हमला है। हिस्ट्रीशीट खोलने की कार्यवाही के लिए पुलिस अधिकारियों को गंभीरता से विचार करना होगा। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने बी क्लास हिस्ट्रीशीट जारी करने का आदेश रद्द कर दिया।

प्रयागराज मेजा निवासी याची सत्येंद्र सिंह उर्फ डॉक्टर के खिलाफ मेजा थाने में मारपीट, गालीगलौज, धमकी, तोड़फोड़, घर में घुसना, रंगदारी, गंभीर चोट पंहुचाने और गुंडा एक्ट के तहत अलग–अलग कुल आठ प्राथमिकी दर्ज थी। इसी आधार पर फरवरी 2020 में मेजा पुलिस की ओर से हिस्ट्रीशीट खोलने के प्रस्ताव पर एसएसपी ने मंजूरी दी थी। याची ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी।

याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि सिर्फ कई मुकदमे दर्ज होना बी–क्लास हिस्ट्रीशीट खोले जाने का पर्याप्त आधार नहीं है। इसके लिए पेशेवर अपराधी होने वाला आधार होना चाहिए। हिस्ट्रीशीट खोलने से पहले के पांच साल तक याची के खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई। ऐसे में उसे पेशेवर अपराधी नहीं कहा जा सकता।

कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि बी–क्लास हिस्ट्रीशीट पेशेवर अपराधियों के लिए होती है। केवल यह तथ्य कि किसी व्यक्ति के खिलाफ अलग–अलग प्रकृति के कई मुकदमे दर्ज हैं, उसे पेशेवर अपराधी मानने के लिए पर्याप्त नहीं है। हाईकोर्ट ने विशेष रूप से प्रयागराज के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की ओर से हिस्ट्रीशीट खोलने की मंजूरी पर टिप्पणी की।

अदालत ने कहा कि यह मंजूरी रबर स्टाम्प जैसी थी। संबंधित अधिकारी को यह बताना चाहिए था कि संबंधित व्यक्ति को पेशेवर या विशेषज्ञ अपराधी क्यों माना गया। कोर्ट ने कहा कि जब किसी कार्रवाई का असर व्यक्ति की स्वतंत्रता पर पड़ सकता है तो स्पष्ट आधार दर्ज करना चाहिए। कोर्ट ने पाया कि हिस्ट्रीशीट खोलने से पहले के पांच वर्षों में याची के खिलाफ कोई नया अपराध दर्ज होने का उल्लेख नहीं था। अदालत ने बी–क्लास हिस्ट्रीशीट खोलने का आदेश रद्द कर दिया।

क्या है बी क्लास हिस्ट्रीशीट

अधिवक्ता हरबंश प्रसाद पांडेय के मुताबिक, ए श्रेणी की हिस्ट्रीशीट में वे अपराधी होते हैं जिन पर दुष्कर्म, डकैती, ट्रेन के डिब्बे काटना, रेलवे की संपत्ति पर बड़ी चोरी, कई हत्याएं करने के मुकदमे दर्ज होते हैं। वहीं, बी श्रेणी की हिस्ट्रीशीट उन अपराधियों के लिए खोली जाती है जो आदतन सामान्य अपराध कर रहे हों और समाज में उनकी छवि खराब हो। उत्तर प्रदेश में बी–क्लास हिस्ट्रीशीट पुलिस निगरानी से संबंधित एक रिकॉर्ड है। यूपी पुलिस रेगुलेशन के पैरा 228 में हिस्ट्रीशीट को ए और बी दो वर्गों में बांटा गया है। बी–क्लास हिस्ट्रीशीट ऐसे पुष्ट एवं पेशेवर अपराधियों के लिए होती है, जो डकैती, सेंधमारी, पशु चोरी और रेलवे मालगाड़ी चोरी से अलग अपराधों में पेशेवर रूप से संलिप्त हों। इसमें पेशेवर ठग, जालसाज, जेबकतरे, नकली सिक्का बनाने वाले, नशीले पदार्थों के तस्कर और पेशेवर गुंडे आदि शामिल किए गए हैं।

सावन के तीसरे सोमवार को नागपंचमी का दुर्लभ संयोग, बाबा बेलखरनाथ धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

प्रयागराज। सावन माह का तीसरा सोमवार इस बार बेहद खास रहा। 23 साल बाद 17 अगस्त 2026 को सावन का तीसरा सोमवार और नागपंचमी एक ही दिन पड़ने से बाबा बेलखरनाथ धाम में श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत नजारा देखने को मिला।

सावन माह का तीसरा सोमवार इस बार बेहद खास रहा। 23 साल बाद 17 अगस्त 2026 को सावन का तीसरा सोमवार और नागपंचमी एक ही दिन पड़ने से बाबा बेलखरनाथ धाम में श्रद्धा और उल्लास का अदभुत नजारा देखने को मिला। प्रातः 4 बजे से ही मंदिर के पट खुलते ही ष्बोल बमष् और ष्हर–हर महादेवष् के जयकारों के साथ कांवड़ियों का रेला धाम की ओर उमड़ पड़ा।

धार्मिक मान्यता है कि नाग देवता भगवान शिव के प्रिय गण हैं। ऐसे में सोमवती नागपंचमी पर शिवलिंग पर जल, दूध, गंगाजल और बेलपत्र अर्पित करने से विशेष फल मिलता है। इसी आस्था के चलते सुबह से ही जिले भर ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों से भी हजारों श्रद्धालु गंगाजल लेकर बाबा बेलखरनाथ धाम पहुंचे और जलाभिषेक किया। पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 5रू51 बजे से 8रू29 बजे तक रहा। इस दौरान भक्तों ने शिवलिंग का रुद्राभिषेक करने के साथ नाग देवता को हल्दी, अक्षत और पुष्प भी अर्पित किए। ज्योतिषियों के अनुसार जिनकी कुंडली में कालसर्प दोष या राहु–केतु का प्रभाव है, उनके लिए यह तिथि विशेष रूप से फलदायी मानी जा रही है। इस दिन सूर्य के सिंह राशि में प्रवेश करने से सिंह संक्रांति का योग भी बना। इस तिहरे संयोग के कारण मंदिर में आस्था का माहौल और भी गहरा दिखा। सावन मेले को लेकर एसडीएम और सीओ ने पहले ही धाम का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश दिए थे। मंदिर परिसर में बैरिकेडिंग, सीसीटीवी और सफाई की व्यवस्था की गई थी। हालांकि, श्रद्धालुओं को जलाभिषेक के लिए आने वाले मार्गों पर अभी भी दिक्कतें रहीं। खीरीबीर पुल से सराय गनई और दिलीपुर होते हुए धाम तक जाने वाली सड़कें जगह–जगह गड्ढों में तब्दील हैं। हुमायूंपुर पुल का लिंटर क्षतिग्रस्त होने से नुकीली सरिया बाहर निकली हुई है। कांवरिया संघ के पदाधिकारियों ने प्रशासन से मार्गों की तत्काल मरम्मत और पेयजल की समुचित व्यवस्था की मांग की है। एसडीएम पूर्णेन्द्र मिश्रा ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए समस्याओं का जल्द निस्तारण कराया जाएगा।

इस दौरान सीओ पट्टी प्रदीप सिंह, एसडीएम पट्टी पूर्णेंदु मिश्रा, एस ओ दिलीप पुर विजयकांत सत्यार्थी, देवेंद्र पाठक आशीष कुमार लक्ष्मण सिंह बद्रीनाथ गिरी विश्वनाथ गिरी अरुण सिंह, मदन सिंह,शनि गिरी उदय सिंह,मोनू तिवारी सहित तमाम सहयोगी व पुलिस कर्मी मौजूद रहे। इस वर्ष सावन 30 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त को समाप्त होगा। इस दौरान कुल 4 सोमवार पड़ रहे हैं। 17 अगस्त को पड़ने वाला यह संयोग 2003 के बाद पहली बार बना है, जिसे 20 साल बाद का दुर्लभ योग बताया जा रहा है। बाबा बेलखरनाथ धाम में देर शाम तक दर्शन–पूजन का सिलसिला चलता रहेगा ,नाग देवता को हल्दी, अक्षत, फूल चढ़ाएं। दूध पिलाने के बजाय प्रतीकात्मक पूजन को शास्त्रसम्मत माना गया है।

69 हजार शिक्षक भर्ती के आरक्षण मुद्दे के नाम पर ठगी, भ्रामक पोस्ट डाल मांगे रुपये

प्रयागराज। 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण से जुड़े मामले के नाम पर सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट प्रसारित कर आरक्षित वर्ग के युवाओं से रुपये मांगे जा रहे हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) से एमए कर रहे चित्रकूट के छात्र धीरज कुमार ने एक पोस्ट के झांसे में आकर 500 रुपये भेज दिए। इसके बाद उसे ठगी का एहसास हुआ। मामले में कर्नलगंज पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। धीरज कुमार के मुताबिक, सोशल मीडिया पर प्रसारित पोस्ट में शिक्षक भर्ती में आरक्षण से जुड़े मामले में आर्थिक सहयोग मांगा गया था। पोस्ट में रुपये भेजने के लिए क्यूआर कोड, यूपीआई आईडी और बैंक खाते की जानकारी भी दी गई थी। पोस्ट पर भरोसा करते हुए धीरज ने 500 रुपये भेजे। रकम भेजने के बाद उन्होंने पोस्ट प्रसारित करने वालों से संपर्क करने की कोशिश की लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। पुलिस सोशल मीडिया पोस्ट, भुगतान के माध्यम और संबंधित बैंक खाते की जानकारी जुटाकर मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस यह पोस्ट करने वाले की जानकारी भी जुटा रही है।

तिरंगा यात्रा में विवाद पर युवक को मारी गोली, लहूलुहान

प्रयागराज। परानीपुर में शनिवार शाम तिरंगा यात्रा में विवाद के दौरान एक युवक को सीने में गोली मार दी गई। इससे वह लहूलुहान हो गया।

घायल को रामनगर सीएचसी के बाद एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुट गई है। शनिवार सुबह रामनगर में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही थी। आरोप है कि तभी देवहटा के प्रतीक मिश्रा (26) से महेंद्र मिश्रा निवासी परानीपुर से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान महेंद्र मिश्रा ने परानीपुर के रितिक मिश्रा निवासी के मोबाइल फोन से प्रतीक मिश्रा को फोन कर गांव बुला लिया। बाइक सवार प्रतीक मिश्रा परानीपुर पहुंचा तो स्कार्पियो से उतरे आरोपी महेंद्र मिश्रा ने उसे गोली मार दी। इससे प्रतीक मिश्रा जमीन पर गिर गया। घायल प्रतीक को तत्काल सीएचसी रामनगर ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे एसआरएन अस्पताल में रेफर कर दिया। सूचना पर एसीपी मेजा बृजेश पाठक, मेजा इंस्पेक्टर नितेंद्र शुक्ला और रामनगर चौकी इंचार्ज अभिनव उपाध्याय मौके पर पहुंचे। मेजा इंस्पेक्टर ने बताया कि घायल प्रतीक मिश्रा के चचेरे भाई कुलदीप मिश्रा की तहरीर पर महेंद्र मिश्रा, विशाल तिवारी, रितिक मिश्रा और दो अन्य व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। एसीपी मेजा बृजेश पाठक ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है। घायल युवक का इलाज एसआरएन अस्पताल में चल रहा है।

सौर ऊर्जा के उपयोग में एनसीआर देश में अव्वल

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) ने सौर ऊर्जा के उपयोग में देश में पहला स्थान पाया है। एनसीआर क्षेत्र में अब तक 23.9 मेगावाट पीक क्षमता वाले सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित हो चुके हैं। इससे रेलवे ने चालू वित्तीय वर्ष में अप्रैल से जून के दौरान इन सौर संयंत्रों से 6.95 मिलियन यूनिट ऊर्जा का उत्पादन किया है। इसके उपयोग से रेलवे को करीब 4.50 करोड़ रुपये की बचत की है। साथ ही पारंपरिक ऊर्जा पर निर्भरता कम होने से 5,838 मीट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन को रोकने में भी सफलता पाई है। वर्तमान में प्रयागराज जंक्शन और कानपुर सेंट्रल समेत एनसीआर के कई प्रमुख स्टेशनों की इमारतों, रेलवे अधिकारियों के विश्राम गृहों, रिटायरिंग रूम के साथ ही सूबेदारगंज स्थित एनसीआर मुख्यालय और मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय की इमारतें पूरी तरह सौर ऊर्जा से रोशन हो रही हैं। एनसीआर के सीनियर पीआरओ अमित मालवीय ने बताया कि रेलवे परिसरों में सौर ऊर्जा के प्रयोग का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है, इससे न केवल आर्थिक बचत हो रही है बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है।

बढ़ा खांसी–जुकाम और गले का संक्रमण

प्रयागराज। मौसम में बदलाव से खांसी–जुकाम, बुखार, गले में संक्रमण, चर्म रोग और आंखों से जुड़ी समस्याओं के मरीज बढ़ रहे हैं। बीते चार दिनों में एसआरएन अस्पताल में 12,193 मरीज देखे गए। इनमें करीब पांच हजार मरीज सर्दी, जुकाम, बुखार, खांसी व चर्म रोग से पीड़ित थे। बारिश में हवा में नमी और पसीने के कारण फंगस और बैक्टीरिया तेजी से बढ़ते हैं। इससे दाद, खाज, फोड़े–फुंसी, घमौरियां और मुंहासे हो जाते हैं। डॉक्टरों ने लोगों से साफ पानी पीने, बारिश में भीगने के बाद तुरंत कपड़े बदलने और शरीर को सूखा रखने की सलाह दी है।

बचाव के देशी उपाय

1–शहद गले की खराश को कम कर सकती है। इसके लिए आप गर्म पानी में शहद मिक्स करें और फिर इसे धीरे–धीरे पीएं।

2– लहसुन में एंटी वायरल, एंटी बैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। जो खांसी में प्रभावी होते हैं। रोजाना लहसुन खाने से ब्लड प्रेशर सामान्य रहता है। इम्युनिटी बढ़ती है।

3– अदरक में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। जो खांसी और गले की खराश को कम कर सकते हैं।

4– नमक में एंटी बैक्टीरियल और एंटी वायरल गुण पाए जाते हैं। जो बलगम को साफ करने या कम करने में मदद कर सकते हैं। नमक के पानी से गरारा करना काफी फायदेमंद साबित हो सकता है।

5– हल्दी में औषधीय गुण पाए जाते हैं। जो शरीर की कई समस्याओं को दूर करने में मदद करती है। सूखी खांसी से हल्दी राहत दिला सकती है। 6– तुलसी के पत्तों में एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। जो खांसी से राहत दिलाते हैं।

7– अगर खांसी और बंद नाक से परेशान हैं, तो स्टीम जरूर लें। एक पैन में पानी उबालें। इस पानी को कटोरे में रखें, इसमें दो–तीन बूंद पुदीने का तेल डालें। फिर सिर पर तौलिया रखकर कटोरे से निकलने वाली भाप को कम से कम 10 मिनट तक लें।

शहद, लहसुन, तुलसी, हल्दी, नमक का गरारा, अदरक व स्टीम लेना हमेशा से फायदेमंद रहा है। बदलते मौसम में इनका इस्तेमाल संक्रामक बीमारियों के खतरे से बचाता है। –वैद्य डॉ. एसके राय

गंङ्गानाथ झा परिसर में संस्कृत सप्ताह महोत्सव का शुभारम्भ

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर के पण्डित मदन मोहन मालवीय सभागार में संस्कृत सप्ताह महोत्सव का शुभारम्भ संस्कृत जगत के प्रख्यात साहित्यकार, कवि एवं मूर्धन्य विद्वान एवं मुख्यातिथि प्रो. हरिदत्त शर्मा एवं परिसर के निदेशक (प्रभारी) प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय "मणि" की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रो. हरिदत्त शर्मा ने प्रयागराज स्थित शगंगानाथ झा परिसरश (जो अब केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का शोध कार्य को समर्पित परिसर है) से अपने लगभग 55–56 वर्षों पुराने एवं गहरे संबंध का उल्लेख करते हुए उद्घाटित किया कि उन्होंने अपने विद्यार्थी और शोधार्थी जीवन का बहुत समय परिसर में व्यतीत किया है। जिससे उनमें संस्कृत भाषा के प्रति अनुराग एवं समर्पण की भावना बलवती हुई।

संस्थान के इतिहास का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि पहले यह शगंगानाथ झा शोध संस्थानश के रूप में विख्यात रहा, तथा कालान्तर में यह राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के रूप में स्थापित हुआ। वर्तमान में शकेन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालयश के प्रमुख परिसर के रूप में इसकी ख्याति भारत वर्ष में ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व में व्याप्त हो रही है। भारत में संस्कृत शिक्षा का उल्लेख करते हुए उन्होंने भारत के अन्य प्रमुख संस्कृत संस्थानों यथा लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू ठभ्न्) और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय जैसे विश्वविद्यालयों में संस्कृत विभागों की भूमिका पर भी चर्चा की। वैश्विक स्तर पर संस्कृत के अध्ययन पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने फ्रांस (पेरिस), जर्मनी, इटली, अमेरिका और थाईलैंड के विश्वविद्यालयों में संस्कृत और शइंडोलॉजीश (प्राच्य विद्या) के विभागों का उल्लेख किया, जो आज संस्कृत भाषा के अध्ययन के प्रमुख केन्द्र बने हुए हैं। अपने वक्तव्य में उन्होंने विशेष रूप से शइंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ संस्कृत स्टडीजश और शविश्व संस्कृत सम्मेलनश के बारे में विस्तार से बताया। मीडिया और संस्कृत के सम्बन्धों पर चर्चा करते हुए उन्होंने आकाशवाणी और दूरदर्शन पर आने वाले संस्कृत कार्यक्रमों (जैसे श्वार्तावलीश) के महत्त्व पर प्रकाश आक्षेपित किया, जो संस्कृत भाषा को आधुनिक समाज से जोड़ते हैं।

कविश्रेष्ठ प्रो. हरिदत्त शर्मा ने अपने स्वरचित संस्कृत गीत के अंत में वर्षा ऋतु पर आधारित स्वरचित संस्कृत गीत ष्वर्षति पानीयेष (पानी बरसने पर) प्रस्तुत किया। इस गीत में बारिश के समय प्रकृति, मोर का नाचना, और ग्रामीण परिवेश का बहुत ही सुन्दर एवं काव्यात्मक वर्णन है। कविता की पंक्तियों ष्बादल घिर आए हैं और बारिश हो रही है। मोर अपनी मस्ती में नाच रहे हैं। खेतों में किसान हल चला रहे हैं और चारों ओर हरियाली और खुशहाली का माहौल है। नदियाँ और ताल–तलैया पानी से भर गए हैं और प्रकृति का सौंदर्य अपने चरम पर है।ष के द्वारा उन्होंने संस्कृत भाषा द्वारा प्राकृतिक चित्रण के कौशल से उपस्थित छात्र–छात्राओं का परिचय कराया। इसके पूर्व परिसर के सहनिदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे ने समस्त आगन्तुकों एवं उपस्थित जनों का स्वागत करते हुए धर्मशास्त्र की सार्वभौमिकता का वर्णन करते हुए संस्कृत शास्त्रों में ष्धर्मशास्त्र के विषय में जो कुछ भी कहा गया है, वह साक्षात् धर्म का लक्षण है। इसमें कहीं भी प्रांत–भेद, वर्ग–भेद या जाति–भेद नहीं है। जो कोई भी मनुष्य है, वह देवत्व को प्राप्त करेकृइसी बुद्धि से यहाँ (शास्त्रों में) व्यवस्था की गई है। यदि कोई शास्त्रों में वर्णित शब्दों का गलत अर्थ निकालता है या उसे अपनी व्यवस्थानुसार व्याख्यायित करता है, तो यह उसकी अपनी सोच और उसके मन का दोष है। अतरू यदि धर्मशास्त्र के बारे में कुछ पढ़ना है, तो हमें मनुस्मृति, याज्ञवल्क्य स्मृति और नारद स्मृति जैसे स्मृति ग्रन्थों का अध्ययन अवश्य करना चाहिए।ष उपनिषदों के महात्म्य का उल्लेख करते हुए उन्होंने विश्व प्रसिद्ध विद्वान शोपेनहावर (बीवचमदींनमत) के कथन का उल्लेख किया जिसमें उपनिषद साहित्य को उन्होंने ऐसा साहित्य बताया जो जीवन में भी शांति देता है और जीवन के बाद (मृत्यु के समय) भी शांति प्रदान करता है। इसका मुख्य कारण यह है कि इसमें मृत्यु एवं मृत्यु के बाद की स्थिति, आत्मा की स्थिति और परम–तत्त्व क्या हैकृइन सभी जिज्ञासु प्रश्नों का बहुत ही सुंदर समाधान दिया गया है।ष कठोपनिषद में यमराज और नचिकेता का संवाद का उल्लेख करते हुए उन्होंने प्रश्नोपनिषद में आचार्य पिप्पलाद और पांच ऋषिकुमारों का संवाद अद्भुत एवं सुन्दर उल्लेख किया। बृहदारण्यक उपनिषद में याज्ञवल्क्य और मैत्रेयी का संवाद पूरे विश्व को प्रेरित करते हैं तथा सत्य क्या है, तत्त्व क्या है और हमें क्या सिद्ध करना चाहिए।ष को स्पष्टतरू उल्लिखित करते हैं। संस्कृत भाषा को एक अमर भाषा बताते हुए उन्होंने संस्कृत की रक्षा के लिए नहीं, बल्कि अपनी स्वयं की रक्षा (आत्म–कल्याण) के लिए संस्कृत पढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा को श्अमृत भाषाश के रूप में व्याख्यायित किया तथा इसे दिव्य भाषा बताया। उनके कथनानुसार "हमें प्रयत्नपूर्वक इस भाषा और अपने शास्त्रों का अध्ययन करना चाहिए जिससे हमारा जीवन शास्त्रों के अनुकूल हो, इसके लिए हमें प्रयास करना चाहिए। इसी से हमारा कल्याण होगा"।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे परिसर के निदेशक (प्रभारी) प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय "मणि" ने छात्रों को संस्कृत महोत्सव के द्वारा अपने संस्कृत अनुराग कौशल को और अधिक समृद्ध करने को प्रेरित किया। अपने काव्य कौशल का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने अपनी स्वरचित श्लोकों द्वारा समस्त उपस्थित जनमानस को प्रेरित किया। उनके अनुसार संस्कृत भाषा व्यक्ति को आदर्श जीवन पद्धति विकसित करने में सहायक होती है। उन्होंने संस्कृत की रक्षा का अर्थ अपनी संस्कृति की रक्षा बताया। उनके अनुसार जो व्यक्ति संस्कृत को नहीं जानता, वह वास्तव में भारत के मूल तत्त्व को नहीं जानता। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शुभश्री दास, सहायकाचार्या द्वारा किया गया। संचालन सहायकाचार्य अंकित मिश्र द्वारा किया गया। अपने वक्तव्य में अंकित मिश्र ने अंबिकादत्त व्यास द्वारा रचित शशिवराजविजयश का एक प्रसिद्ध श्लोक ष्रात्रिर्गमिष्यति भविष्यति सुप्रभातं भास्वानुदेष्यति हसिष्यति पङ्कजश्रीः...ष के द्वारा आशावादी विचार प्रस्तुत किया, जिसका भाव रात बीत जाएगी, सुंदर सुबह होगी, सूर्य उदय होगा और कमलों की शोभा फिर से खिलेगी। उनके अनुसार यह श्लोक आशा और पुनरुत्थान का प्रतीक है। परिसर के जनसम्पर्क अधिकारी राजेशकान्त तिवारी ने बताया कि संस्कृत महोत्सव के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा जिनमें श्रीमद्भभगवद्गीता, अमरकोष, संक्षेप रामायण, पाणिनीय अष्टाध्यायी, वेदान्तसार, सांख्यकारिका, अर्थसंग्रह, तर्कसंग्रह एवं संस्कृत गीत और प्रश्न मंच प्रतियोगिताएँ सम्मिलित है। जिनमें प्रयागराज के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के छात्र–छात्राएँ बड़ी संख्या में प्रतिभाग करेंगे।

इस अवसर पर प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. मोनाली दास, डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी, डॉ. शुभश्री दास, डॉ. अञ्जनी कुमार पुण्डरीक, सुश्री अश्वनी लंके, समेत परिसरीय समस्त अधिकारी, कर्मचारी गण तथा शोधच्छात्र समुपस्थित रहे।

बादल बारिश धूप

बंधन से हैं मुक्त मगर है इन पर पहरे।
बादल बारिश धूप अर्थ जिनके हैं गहरे।
जन्म–कर्म अरु मोक्ष गूढ़ता कहके इनकी।
सुख की कर बरसात करें यह बातें सब की।
प्रकृति पढ़ाती है सदा केवल उस विज्ञान को।
जहाँ सत्य वाणी बने रखे सभी के ज्ञान को।।

रखे न अपने पास बरस कर खाली होता।
मेघ चले दिन–रात हमेशा खुशियाँ बोता।
जंगल में भर प्राण नदी को जीवन देकर।
दौड़ रहा चहुँ ओर नीर की थैली लेकर।
धरती अरु आकाश के रहकर हरदम बीच में।
दिन में खेले सूर्य से और चांद से रात में।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

'स्वतंत्रता दिवस पर जुबैदा वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर में दिखा बेटियों का हुनर'

प्रयागराज। जुबैदा वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, प्रयागराज में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभक्ति, कौशल विकास और सामाजिक जागरूकता के संदेश के साथ उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षण केंद्र की छात्राओं ने अपने हुनर का शानदार प्रदर्शन करते हुए हैंड–पेंटेड जूट बैग और फैब्रिक पेंटिंग की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं।कार्यक्रम में डॉ. अफरीन फारूकी ने छात्राओं को स्वास्थ्य, व्यक्तिगत स्वच्छता एवं त्वचा की देखभाल के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को सामान्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचाव और स्वयं की उचित देखभाल के आसान उपाय समझाए। स्वास्थ्य एवं हाइड्रेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डेजी जैदी द्वारा सभी छात्राओं को पानी की बोतलें उपहार स्वरूप वितरित की गईं। इस पहल से छात्राओं को पर्याप्त पानी पीने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।स्वतंत्रता दिवस का यह आयोजन छात्राओं के अंदर देशप्रेम के साथ–साथ आत्मनिर्भरता, रचनात्मकता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक सार्थक प्रयास रहा।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने जीती महिला वॉलीबाल प्रतियोगिता की चैंपियन ट्रॉफी

जगत तारन गर्ल्स इंटर कॉलेज प्रयागराज की टीम बनी प्रतियोगिता की उपविजेता

विजेता टीम की मानसी आर्या को मैन ऑफ दी मैच तथा उपविजेता टीम के दिव्यांशी द्विवेदी को बेस्ट खिलाड़ी व मुस्कान गुप्ता को बेस्ट लिब्रो के पुरस्कार से सम्मानित

प्रयागराज। आनंद फौजी स्पोर्ट्स एकेडमी छतनाग,झूसी द्वारा आयोजित 'जिला स्तरीय महिला वॉलीबाल प्रतियोगिता' संपन्न हुई। प्रतियोगिता में जनपद की विभिन्न आमंत्रित महिला टीमों ने प्रतिभाग कर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। देर रात्रि खेले गए प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला इलाहाबाद विश्वविद्यालय व जगत तारन गर्ल्स इंटर कॉलेज के बीच काफी रोमांचक एवं संघर्षपूर्ण रहा। जिसमें इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद ने जगत तारन गर्ल्स इंटर कॉलेज प्रयागराज की टीम को 25 – 23, 20 – 25 व 25 – 18 अंकों से हराकर स्वतंत्रता दिवस की जिला स्तरीय महिला वॉलीबाल प्रतियोगिता की चौंपियन ट्रॉफी जीत ली। प्रतियोगिता के दौरान नेशनल रेफरी अल्ताफ अली, धनंजय राय, मुकेश शुक्ला, असफाक अहमद व संतोष कुमार ने निर्णायक की भूमिका अदा की। इसके पूर्व खेले गए प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल मैच में जगत तारन गर्ल्स इंटर कॉलेज प्रयागराज की टीम ने केंद्रीय विद्यालय इफको फूलपुर को 21 – 25, 25 –

23 व 25 – 20 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश की। वहीं दूसरे सेमीफाइनल मैच में इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद ने आनंद फौजी स्पोर्ट्स एकेडमी को 25 – 21 व 25 – 17 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश की थी। प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला वॉलीबाल संघ एवं जिला ओलंपिक संघ प्रयागराज के महासचिव आर.पी.शुक्ला ने विजेता टीम इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद एवं उपविजेता टीम जगत तारन गर्ल्स इंटर कॉलेज की टीम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी व मेडल प्रदान कर पुरस्कृत किया। वहीं विजेता टीम के खिलाड़ी मानसी आर्या को प्रतियोगिता का मैन ऑफ दी मैच तथा उपविजेता टीम के दिव्यांशी द्विवेदी को प्रतियोगिता का बेस्ट खिलाड़ी और मुस्कान गुप्ता को प्रतियोगिता का बेस्ट लिब्रो के पुरस्कार से मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया। आयोजन समिति के अध्यक्ष अभिषेक निषाद ने मुख्य अतिथि का बैच एवं स्मृति चिंह भेंटकर स्वागत किया। विशिष्ट अतिथिद्वय के रूप में उपस्थित दीपक कुमार एडवोकेट व संदीप यादव एडवोकेट ने खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किया। आयोजन समिति की ओर से अनूप निषाद ने प्रतियोगिता में पधारें सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। अंत में प्रतियोगिता के आयोजन सचिव आनंद निषाद (फौजी) ने प्रतियोगिता में पधारें सभी सम्मानित अतिथियों, खिलाड़ियों व दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रतियोगिता के दौरान पूर्व वॉलीबाल खिलाड़ी संदीप यादव, रामसकल सरोज, भैयाराम, राजू पटेल, सतीशचंद्र गुप्ता, विनय निषाद, विवेक शुक्ला, गौतम कुमार, पवन सोनी, मृत्युंजय सिंह, वीरेंद्र कुमार, अभिनव कुमार, जयेंद्र सिंह व अनील मौर्या आदि कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें।

ऑटिज़्म के इलाज में होम्योपैथी की सुनिश्चितता विषयक 'बियॉन्ड द स्पेक्ट्रम' राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

ताडेपल्लीगुडेम। एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल, ताडेपल्लीगुडेम और अली शाह अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में कॉलेज के सेमिनार हॉल में रविवार (16 अगस्त, 2026) को षबियॉन्ड द स्पेक्ट्रम दृ होम्योपैथी को ऑटिज़्म का जवाबष विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (हाइब्रिड मोड) सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। देश भर से फैकल्टी, प्रैक्टिशनर, इंटर्न और स्टूडेंट्स समेत कुल 260 डेलीगेट्स ने कॉन्फ्रेंस में खुद और ऑनलाइन (हाइब्रिड मोड) दोनों तरीकों से भाग लिया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य रूप से ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एएसडी) की समस्या को पर्सनलाइज़्ड होम्योपैथिक इलाज के ज़रिए हल करने की ज़रूरत पर चर्चा हुई। कॉन्फ्रेंस का मुख्य आकर्षण जाने–माने एक्सपर्ट्स द्वारा होम्योपैथिक इलाज से जिन बच्चों में काफ़ी सुधार दिखा है, उनके वीडियो सबूत दिखाना था। स्पीच, बिहेवियर, विज़न और सोशल इंटरेक्शन में साफ़ प्रोग्रेस दिखाने वाले इन रियल केस प्रेजेंटेशन को दर्शकों ने बहुत पसंद किया। उन्होंने साबित किया कि होम्योपैथी से ऑटिज़्म को रोकने में असरदार तरीके से मदद मिल सकती है।

की नोट मास्टरक्लास प्रोफेसर डॉ. समीर चौककर, डीन, डॉ. बत्रा एकेडमी, मुंबई और एक इंटरनेशनल टीचर ने कंडक्ट की। उन्होंने दुनिया भर से ऑटिज़्म के मामलों के इलाज का अपना बहुत बड़ा अनुभव शेयर किया। इलाज किए गए बच्चों के वीडियो के ज़रिए अलग–अलग होम्योपैथिक इलाज के पॉज़िटिव रिज़ल्ट दिखाकर, उन्होंने समझाया कि बच्चे का इलाज सिर्फ़ बीमारी के नाम से नहीं, बल्कि एक पूरे इंसान के तौर पर करने में डॉक्टर की भूमिका कितनी ज़रूरी है।

जाने–माने अंतरराष्ट्रीय शिक्षाविद और एक्सपर्ट प्रोफेसर डॉ. जी. चंद्रशेखर राव ने ष्चाइल्ड साइकियाट्री और होम्योपैथीष टॉपिक पर सारगर्भित भाषण दिया। अपने बहुत बड़े अनुभव और बहुत ज़्यादा जानकारी के साथ, उन्होंने ऑटिज़्म और बचपन के बिहेवियरल डिसऑर्डर के साइकोलॉजिकल पहलुओं और इसे होम्योपैथिक प्रैक्टिस के साथ कैसे इंटीग्रेट किया जाए, इस बारे में गहराई से समझाया। चाइल्ड साइकेट्री, ऑटिज़्म के डेवलपमेंटल पहलुओं और ऐसे मामलों में होम्योपैथिक तरीके के बारे में उनकी गहरी समझ ने डेलीगेट्स को इम्प्रेस किया और इसे कॉन्फ्रेंस के सबसे अनमोल सीखने के अनुभवों में से एक बना दिया।

एएसआर एचएमसी के प्रिंसिपल प्रो. डॉ. आनंद कुमार पिंगली ने "बॉनिंगहॉसन मेथड के ज़रिए ऑटिज़्म को समझना" टॉपिक पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि बोनिंगहॉसन मेथड मरीज़ और मटेरिया मेडिका को ठीक से समझने के लिए एक कीमती टूल हो सकता है, जिससे ऑटिस्टिक बच्चों को ज़्यादा सटीक पर्सनलाइज़्ड इलाज दिया जा सकता है।

प्रो. डॉ. आनंद राव सनपाला ने ऑटिज़्म के क्लिनिकल फीचर्स के बारे में बताया और डेलीगेट्स को इस समस्या का जल्दी पता लगाने और बेहतर मैनेजमेंट के तरीके के बारे में बताया। राष्ट्रीय संगोष्ठी में वक्ताओं ने इस बात पर ज़ोर दिया कि होम्योपैथी, अपने पर्सनलाइज़्ड और होलिस्टिक तरीके से, ऑटिज़्म से पीड़ित बच्चों को बहुत फ़ायदा पहुंचा सकती है और जल्दी और सपोर्टिव इंटरवेंशन बच्चों और उनके परिवारों की जीवन में असली बदलाव ला सकता है। कॉन्फ्रेंस ने ऑटिज़्म में होम्योपैथिक इलाज के स्कोप के बारे में एक बड़ी दिशा दी।

एकेडमिक प्रोग्राम के हिस्से के तौर पर, 25 डेलीगेट्स ने अपने रिसर्च और क्लिनिकल एक्सपीरियंस शेयर करते हुए पेपर प्रेजेंटेशन दिए। डॉ. कोल्ली राजू, प्रेसिडेंट, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ होम्योपैथिक फिजिशियन (तमिलनाडु और चेन्नई), और डॉ. बी. विजयलक्ष्मी, मेडिकल सुपरिटेंडेंट, गवर्नमेंट एरिया हॉस्पिटल (ताडेपल्लीगुडेम) कृ दो खास मेहमानों को इवेंट में सम्मानित किया गया। होम्योपैथी के फील्ड में उनकी खास सेवाओं के लिए, कॉलेज ने प्रो. डॉ. समीर चौककर को ष्डॉ. हैनीमैन अवॉर्ड फॉर क्लिनिकल एक्सीलेंसष और प्रो. डॉ. जी. चंद्रशेखर राव को ष्डॉ. हैनीमैन अवॉर्ड फॉर एकेडमिक एक्सीलेंसष दिया। ष्स्टोरी टुडे, इम्पैक्ट टुमॉरोष रील कॉम्पिटिशन के विजेताओं को सम्मानित किया गया और पेपर प्रेजेंटर्स को सर्टिफिकेट दिए गए। इस मौके पर प्रिंसिपल प्रो. डॉ. आनंद कुमार पिंगली ने कहा कि यह कॉन्फ्रेंस होम्योपैथिक एजुकेशन को आगे बढ़ाने और ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों और उनके परिवारों की सेवा करने के संस्थागत प्रतिबद्धता को दिखाता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में ऑटिज़्म के बारे में जागरूकता बहुत ज़रूरी है और होम्योपैथी इसमें अहम भूमिका निभाती है।

संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल प्रताप गिरि का सारस्वत सम्मान

प्रयागराज। बौद्धिक विचार मंच ऊंचाहार की ओर से इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के नवनियुक्त अध्यक्ष प्रो. अनिल प्रताप गिरि का सारस्वत सम्मान किया गया। प्रो. गिरि संस्कृत विभाग के सबसे युवा विभागाध्यक्ष हैं। उन्होंने सोमवार को अध्यक्षीय पदभार ग्रहण किया। बौद्धिक विचार मंच के महासचिव डॉ. पीयूष मिश्र शपीयूष तथा सदस्य डॉ. प्रवीण द्विवेदीश ने संयुक्त रूप से अंगवस्त्रम, स्मृति चिह्न, बुके, माला पहनाकर प्रो. अनिल प्रताप गिरि को सारस्वत सम्मान से नवाजा। प्रो. गिरि संस्कृत साहित्य के अधिकारी विद्वान के साथ वेद , व्याकरण, भाषा, दर्शन के ओजस्वी वक्ता हैं। इससे पूर्व देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, देवी प्रसाद मिश्र वेदान्ती, डॉ. सोमवती पटेल, डॉ. निशा खन्ना, डॉ. आरती सरोज, डॉ. प्रचेतस, डॉ. तेज प्रकाश चतुर्वेदी, डॉ. प्रिया झा, नितिन त्रिपाठी, शिखा श्रीवास्तव, फलक अंजुम, अनन्त जी मिश्र, शिवम मिश्र, डॉ. महविश अंजुम आदि ने प्रो. गिरि को विभागाध्यक्ष बनने पर बधाई दी है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस समारोह

प्रयागराजसबलराम ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा संचालित सिटीजन गर्ल्स कॉलेज में स्वतंत्रता दिवस समारोह पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रातः 10रू00 बजे मुख्य अतिथि सविता मिश्रा जी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। उसके पश्चात संस्कृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्रबंधक श्रीमती उमा सिंह जी ने कहा कि हमारे जीवन में अनेकों संघर्ष आएंगे जिनका मुकाबला हमें शांति के

साथ करना होगा। मुख्य अतिथि श्रीमती सविता मिश्रा जी ने शहीदों को नमन करते हुए युवाओं का आह्वान किया कि हमें अपनी ऊर्जा का उपयोग देश को विकसित बनाने हेतु करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि पार्षद श्री रणविजय सिंह ने कहा कि हमें अपने अतीत से सीख लेते हुए वर्तमान में आगे बढ़ना होगा। प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉक्टर ईशान्या राज ने कहा कि हमें ध्यान देना होगा कि हम किसी भी प्रकार के शारीरिक एवं मानसिक गुलामी से दूर रहे। उच्च न्यायालय के प्रसिद्ध अधिवक्ता श्री आलोक त्रिपाठी जी ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना देते हुए तिरंगे की गरिमा को बनाए रखने हेतु निरंतर प्रयत्न करने की अपील की।

अतिथियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ मधुलिका सिंह ने कहा कि आज ऐतिहासिक दिन है और महत्वपूर्ण भी क्योंकि आज वंदे मातरम गीत लाल किले की प्राचीर से पहली बार इस कार्यक्रम में आधिकारिक रूप से गाया जाएगा। धन्यवाद ज्ञापन उप–प्राचार्य उमा लता पटेल जी ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रशिक्षु अपराजिता सिंह ने की। इस कार्यक्रम में डॉक्टर अंजुला तिवारी ,अंजना गौड़, अंजलि सैमुअल, शालिनी बसेदिया ,माया त्रिपाठी ,सुमन गुप्ता ,पीहू, अमित गोस्वामी, रजनीश उपाध्याय , डॉक्टर बीके द्विवेदी ,सरोज विश्वकर्मा के साथ प्रशिक्षु दिव्यांशी निषाद ,खुशबू, सुरुचि,रिंकी, शिवानी,अंजलि, श्वेता कीर्ति, संदीप ,प्रशांत, अशोक तिवारी आदि ने भाग लिया।

विदेश मंत्रालय के अधिकारी बनकर होटल में घुसे 3 संदिग्ध

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के गोमतीनगर के एक होटल में तीन संदिग्ध खुद को विदेश मंत्रालय का उच्च अधिकारी बताकर घुस गए। इसके बाद होटल स्टाफ और गेस्ट को बंधक बनाकर अभद्रता करने लगे। आरोप है कि संदिग्धों ने रिसेप्शन का गेट लॉक कर दिया और होटल की तलाशी लेने के नाम पर स्टाफ से पूछताछ शुरू कर दी। पहचान और आईडी मांगने पर गाली–गलौज करते हुए मारने की धमकी दी। पुलिस ने शिकायत मिलने पर तीनों को हिरासत में लिया है। विकासखंड–3 स्तिथ होटल क्रिस्टेलिया के नाइट मैनेजर कुमार सर्वोत्तम पाठक ने इस मामले में पुलिस को शिकायत दी है। इसमें उन्होंने बताया कि 15 अगस्त की रात करीब एक बजे तीन संदिग्ध होटल में पहुंचे और खुद को विदेश मंत्रालय के उच्च अधिकारी बताया।

सम्पादकीय.......

वास्तविक लोकतंत्र केवल बहुमत की जीत का नाम नहीं

देश अपनी स्वतंत्रता के 80वें वर्ष में प्रवेश कर गया है। यह वह अवसर है जब सभी भारतीय अपने मतभेदों से ऊपर उठकर उन स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं, जिनके अथक संघर्ष और बलिदान ने हमें ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से मुक्ति दिलाई। यही वह ऐतिहासिक क्षण था जब एक पराधीन राष्ट्र ने स्वतंत्रता प्राप्त कर अपनी 'नियति से साक्षात्कार' की यात्रा आरम्भ की और लंबे समय तक दमन झेलने वाली जनता ने स्वतंत्रता और सम्मान के अपने अधिकार को प्राप्त किया। तब से आज तक हमने एक लंबा सफर तय किया है। इस दौरान हमने धार्मिक, जातीय और क्षेत्रीय मतभेदों के साथ–साथ आर्थिक असमानताओं जैसी अनेक चुनौतियों का सामना किया है। हमने युद्ध, आतंकवाद, अकाल और महामारी जैसी कठिन परिस्थितियां भी देखी हैं। इसके बावजूद आज हम विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों, रक्षा और परमाणु क्षमता, मजबूत अर्थव्यवस्था तथा विश्व व्यवस्था को नई दिशा देने में अपनी अग्रणी भूमिका पर गर्व कर सकते हैं। लेकिन यदि हम एक लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में अपनी यात्रा का निष्पक्ष मूल्यांकन करें, तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि एक समावेशी और संवेदनशील समाज बनाने के हमारे लक्ष्य के सामने आज भी गंभीर चुनौतियां मौजूद हैं। किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति पर दोषारोपण किए बिना और देश की उपलब्धियों को कमतर आंके बिना हमें यह विचार करना होगा कि क्या पिछले दशकों की राजनीति नागरिकों के बीच भाईचारे की भावना को वास्तव में मजबूत कर सकी है। बढ़ती आर्थिक असमानता और सांप्रदायिक तनाव ने समाज के बड़े वर्गों को अपने ही देश में अलग–थलग और उपेक्षित महसूस करने के लिए मजबूर कर दिया है। आज ऐसी राजनीतिक संस्कृति विकसित होती दिखाई दे रही है जिसमें विरोधियों को हर संभव तरीके से दबाने का प्रयास किया जाता है, विचारों के आधार पर असहमति रखने वालों को अपमानित करने के लिए सोशल मीडिया पर लगातार निशाना बनाया जाता है, उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल किया जाता है और उनके परिवारों तक को निशाना बनाया जाता है। यह स्थिति राजनीति को जनसेवा का सर्वोच्च माध्यम मानने की अवधारणा पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। स्पष्ट है कि वास्तविक लोकतंत्र केवल बहुमत की जीत का नाम नहीं है। उसका मूल उद्देश्य न्याय, स्वतंत्रता और मानव गरिमा की रक्षा करना है, जो हमारे संविध ाान के सर्वोच्च मूल्यों में शामिल हैं। संवैधानिक संस्थाओं द्वारा अपने दायित्वों के निर्वहन में मिला–जुला प्रदर्शन भी देश में लोकतांत्रिक कमी का एक कारण बना है। व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संरक्षक और संविधान के प्रहरी के रूप में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका हाल के वर्षों में लगातार चर्चा और समीक्षा का विषय रही है। कुछ मामलों में न्यायालय ने, जैसा कि वर्षों पहले तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश कानिया ने सावधान किया था, 'औपचारिक या नीरस विधिक दृष्टिकोण' को अपनाते हुए बिना मुकद्दमे के आरोपियों की लंबी अवधि तक हिरासत को उचित ठहराया है। अपने आदेशों का प्रभावी पालन सुनिश्चित न कर पाना और न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता को प्रभावित करने वाले मीडिया ट्रायल के प्रति पर्याप्त संवेदनशीलता न दिखाना भी न्यायालय की विश्वसनीयता को प्रभावित करता है। एक उत्तरदायी लोकतंत्र तभी फल–फूल सकता है, जब समाज समावेशी हो और उसका मार्गदर्शन ऐसे नैतिक मूल्यों से हो, जो केवल सत्ता की व्यावहारिक राजनीति से ऊपर उठकर सबके हित को प्राथमिकता दें। उद्देश्यपूर्ण और आदर्शों से प्रेरित राजनीति के लिए ऐसा सामाजिक वातावरण आवश्यक है, जहां अंतरात्मा की आवाज प्रभावी हो और आदर्शवाद को अव्यावहारिक कल्पना कहकर खारिज न किया जाए। इसलिए अब यह जिम्मेदारी 'हम भारत के लोगों' की है कि हम संकीर्ण पहचान और विभाजनों से ऊपर उठकर ऐसी व्यापक राजनीतिक नैतिकता को स्थापित करें, जिसकी जड़ें नैतिक मूल्यों में हों और जो संविधान के सर्वोच्च आदर्श सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय को अपना मार्गदर्शक बनाए। इतिहास के अनुभवों से सीख लेकर और विवेक के बल पर हमें, एक स्वतंत्र राष्ट्र के नागरिकों के रूप में, यह सुनिश्चित करना होगा कि लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से स्थापित हमारा लोकतंत्र किसी भी प्रकार के अन्याय के प्रति मौन सहमति के कारण कमजोर न पड़ जाए। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति हमारा ऋण हमें इस ऐतिहासिक मोड़ पर यह पुकारता है कि हम ऐसे निर्णय लें, जो हमें इतिहास के सही पक्ष–स्वतंत्रता, न्याय और सबके समान अधिकारों के पक्ष में खड़ा करें। अब समय आ गया है कि हम अपने भय पर विजय प्राप्त करें, अपनी स्वतंत्रता को फिर से सशक्त बनाएं और अपनी राजनीति को ऐसे सम्मान और नैतिकता पर आधारित करें, जहां सत्ता से अधिक महत्व सिद्धांतों का हो।–

क्यों सफल नहीं हो रही है जेन जी को खुश करने की कोशिश

जगदीश रतनानी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंस्टाग्राम का सहारा लिया है और जो बात को बिना लाग–लपेट के सीधे कहने के लिए जानी जाती है, उस जेन जी पीढ़ी तक अपना संदेश पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने भी इस पीढ़ी से बातचीत शुरू करके बदलते समय के साथ कदम मिलाया है। ऐसा लगता है कि पूरा सिस्टम उन आवाजों को सुनना चाहता है जिन्होंने महज 12 दिनों में ही उस प्रचार अभियान को ध्वस्त कर दिया जिसे 12 सालों तक बहुत सावध ाानी से तैयार किया गया था, बड़े पैमाने पर योजना बनायी गयी थी और जिस पर भारी–भरकम खर्च किया गया था ताकि मौजूदा पार्टी लीडरशिप की एक खास छवि बनाई जा सके। यह एक तरह का श्बुलडोजर असरश्य था जिसने डिजिटल दुनिया में भारतीय जनता पार्टी की श्तोड़–फोड़ वाली राजनीतिश् को उसी की कड़वी दवा पिला दी। सवाल यह है कि आप उन लोगों के साथ कैसे तालमेल बिठाएंगे जो कल की विनम्र बातचीत और शालीन आलोचना को छोड़कर पूरी ईमानदारी और बेबाकी से बात करना पसंद करते हैं? भारत के ऊंच–नीच वाले सामाजिक ढांचे में ऐसी बेबाकी या तो समझ नहीं आती या फिर लोग इससे अनजान होते हैं। पुराने जमाने के तरीके (और कुछ पुरानी मैनेजमेंट ट्रेनिंग) में एक सुरक्षित बात कही जाती थी कि, श्असहमत होना ठीक है लेकिन उसे शालीन तरीके से जाहिर करना चाहिए।श भारत में यह माना जाता है कि सत्ता में बैठे लोग जानकार और जिम्मेदार होते हैं। हमें प्रधानमंत्री का सम्मान करने के लिए कहा जाता है और श्जेन □ाी पूछना चाहती है, क्यों? अगर असहमति के इतने सारे कारण हैं तो क्यों न दिखावटी शिष्टाचार को छोड़कर सीधे और कड़े तरीके से असहमति जताई जाए? उस रास्ते पर निडरता से आगे बढ़ते हुए, जंतर–मंतर पर इतिहास रचने वाले प्रदर्शनकारियों ने एक अयोग्य मंत्री को हटवाने में कामयाबी हासिल की और बीजेपी–आरएसएस को कुछ अहम सबक सिखाए हैं। उन्होंने कई पुरानी धारणाओं को भी गलत साबित किया है, जैसे कि बढ़ा–चढ़ाकर किए गए दावों और शानदार कैंपेन से कुछ समय के लिए तो छवि बन सकती है लेकिन समय के साथ वही छवि बुरी तरह टूट भी सकती है। अगर बहुत ज्यादा जोर–जबरदस्ती से प्रचार किया जाए और उससे लोगों में शक या उससे भी बुरा कुछ पैदा हो तो उस प्रचार का बुरा अंजाम हो सकता है। सोशल मीडिया पर लाइक्स या फॉलोअर्स की संख्या का जश्न मनाने का दौर इन्फ्लुएंसर्स्स के जमाने का था। अब एंटी–इन्फ्लुएंसर्स्स का दौर है जो आपकी गलतियों को सबके सामने लाने के लिए तैयार रहते हैं। इसके अलावा सिर्फ आंकड़ों से यह पता नहीं चलता कि किसी राजनीतिक संदेश को लोगों ने कितना अपनाया है। जब डिजिटल दुनिया शोर–शराबे वाले प्रोपेगेंडा से भरी हो, जिसमें संगठित, खरीदे गए और जबरदस्ती पहुंचाए गए व्यूज का मिला–जुला असर होता है तो जरूरी नहीं है कि ज्यादा व्यू काउंट समर्थन में बदल जाएं। आईटी सेल या तो दर्शनीयता को ही असली समर्थन मान लेते हैं या फिर उन्हें इस आसान पैमाने को बढ़ावा देने में दिलचस्पी होती है। इससे वे उस बढ़ते हुए दर्शकों के वर्ग को छिपा देते हैं जो तारीफ के लिए नहीं बल्कि गहरे शक और कभी–कभी पूरी तरह नफरत के साथ उन्हें देखते हैं। इस दुनिया में कंटेंट की ईमानदारी मायने रखती है, न कि दिखावटी रूप–रंग। यह बातचीत के उस पुराने और सहज अंदाज को वापस लाता है जिसे अब भरोसे और पक्के यकीन की पहचान माना जाने लगा है। असल में यह तरीका कोई नया नहीं है बल्कि यह जीने का एक ऐसा अंदाज था जो दिखावे, झूठी बातों और कंट्रोल किए जाने वाले टीवी व पैसे कमाने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दिखाए जाने वाले बनावटी गुस्से के दौर में कहीं खो गया था। जेन जी ने उस पुराने अंदाज को फिर से अपनाया है और सिर्फ इसी बात के लिए उनकी तारीफ होनी चाहिए। सिस्टम ने एक तरफ बहुत ज़्यादा जोर डाला था और अब स्प्रिंग की तरह वह वापस अपनी जगह पर आ रहा है। यह स्थिति ऐसे नेताओं के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती बन गई है जिनकी सोच सत्ता, मर्दानगी और दिखावटीपन पर टिकी है। ये ऐसी चीजें हैं जिन्हें आज की नई पीढ़ी न तो महसूस करती है और न ही पसंद। जो पीढ़ी विविधता का जश्न मनाती है, जिसे क्लाइमेट चेंज की चिंता हो सकती है एवं जो बड़े कॉर्पोरेट घरानों पर भरोसा नहीं करती, वह स्वाभाविक रूप से बुलडोजर राज और क्रोनी कैपिटलिज्म (खास दोस्तों को फायदा पहुंचाने वाला पूंजीवाद) को नकार देगी जो इस सरकार की पहचान बन गए हैं। पिछले हफ्ते आईआईटी दिल्ली के दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान भाजपा की सोच और जेन जी के नजरिए के बीच का बुनियादी फर्क साफ दिखा। कैंपस में श्सिलेबस्य बनाम जिंदगी के सिलेबस से बाहरश्य वाली बातों या जेन जी के शब्दों जैसे ब्लडलाइन की नकल करने से कहीं आगे बढ़कर मोदी ने ग्रेजुएट होने वाले छात्रों को बड़ी चुनौतियों को छोटे–छोटे हिस्सों में बांटकर उनका सामना करने की सलाह दी। दुनिया की मुश्किल समस्याओं पर काम करने वाले लोग जानते हैं कि इसे रिडक्शनिस्ट अप्रोच्य (चीजों को छोटे हिस्सों में बांटकर समझने का तरीका) कहा जाता है और इसी तरीके को आज के बड़े संकटों, जैसे जलवायु परिवर्तन और इंसानियत को एंथ्रोपोसीन (इंसानी गतिविधियों से प्रभावित दौर) के दौर में ध ाकेलने के लिए जिम्मेदार माना जाता है। हमारे आस–पास की चीजों को आपस में जुड़े होने को समझने वाले संवेदनशील नेताओं की आम राय यह है कि इसे सिस्टम के नजरिए से समझा जाए कि दुनिया और प्रकृति कैसे काम करती है और यह देखा जाए कि एक काम का दूसरे पर क्या असर पड़ता है्य तथा इसे बड़े पैमाने पर लागू किया जाए। इसके साथ ही विज्ञान को बिना मूल्यों वाली दौड़ का हिस्सा न बनाते हुए उसे मानवीय और मूल्यों पर आधारित बनाया जाए। यह शायद जेन जी की भाषा जैसा लग सकता है लेकिन भाजपा की समझ या शब्दावली में इसका कोई जिक्र नहीं है। इस नजरिए से देखें तो जेन जी शायद भाजपा–आरएसएस की वैचारिक नींव को पूरी तरह से नकारने का प्रतीक हो सकता है। बेशक, मौजूदा नेतृत्व वाली पार्टी आसानी से पीछे नहीं हटेगी क्योंकि उसके पास मुकाबला करने और अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए संसाधन हैं किन्तु नए समर्थक पाने के लिए अपनी कहानी को फिर से गढ़ने की उम्मीद कम ही है। दूसरी ओर विपक्ष और खासकर राहुल गांध ी के नेतृत्व वाली कांग्रेस एक बहुत आकर्षक विकल्प के तौर पर उभर सकती है। ध्यान दें कि राहुल गांधी सहज बातचीत में माहिर है ठीक वैसी बातचीत जिससे मोदी कतराते हैं। फिर भी, राहुल गांधी को मुश्किल इम्तिहानों का सामना करना होगा। इनमें से एक है झारखंड में छात्रों के विरोध –प्रदर्शन में आया राजनीतिक मोड़, जहां लाठीचार्ज हुआ। झारखंड की सरकार कांग्रेस के समर्थन से चल रही है। राहुल ने वहां पुलिस कार्रवाई की आलोचना करके अच्छा काम किया है। कुल मिलाकर, बदले हुए राजनीतिक माहौल की कहानी को सिर्फ स्टाइल, भाषा या बागी युवाओं का मुद्दा समझना गलती होगी क्योंकि यह असल में हमारे समय की राजनीति के मूल स्वरूप में बदलाव का संकेत हो सकता है।

प्रकृति संरक्षण का संदेश देता है हरेली तिहार

बाबा मायाराम

हाल ही में छत्तीसगढ़ में हरेली तिहार मनाया गया। यह तिहार खेती–किसानी से जुड़ा है, और इसमें किसान उनके कृ षि औजारों व पशुधन की पूजा करते हैं। यह प्रकृति, हरियाली और खेती किसानों के प्रति सम्मान दर्शाता है। यह मनुष्य के साथ प्रकृति के अटूट रिश्ते को भी बताता है, जिसमें वह प्रकृति का संरक्षण करते हुए अपना पालन–पोषण भी करता रहा है। आज इस कॉलम में इसी पर विस्तार से बात करना चाहूंगा।

यह पर्व सावन की अमावस्या के दिन मनाया जाता है। यह त्योहार भी हमारे अन्य त्योहारों की तरह खेती–किसानी, पशुध न, हरियाली और गांव–किसान से जुड़ा हुआ है। इस त्योहार पर खेती किसानी के औजारों व पशुधन की पूजा की जाती है। किसान अच्छी फसल की कामना करते हैं। हरेली का अर्थ हरियाली से है, जिसकी आज पहले से कहीं ज्यादा जरूरत है। जलवायु बदलाव के दौर में इसकी शिद्दत से महसूस की जा रही है। हमारे देश के अधिकांश तीज–त्योहार खेती–किसानी से जुड़े हुए हैं। पोला, अक्ति और नवाखाई और दीपावली भी खेती से जुड़े हैं। अक्ति त्योहार पर गांवों में किसान चना, तिवरा, मसूर, उड़द और महुआ को भूनकर लाई बनाते हैं, ठाकुरदेव की पूजा करते हैं। इसी मौके पर धान के दानों को छींटकर नागर के लोहे से जोता जाता है। किसान घरों से धान बीज बांस की टोकरियों में लेकर खेत जाते हैं और सांकेतिक रूप से धान को बोते हैं। यह पारंपरिक है, सालों से कर रहे हैं। यह बीजों के आदान– प्रदान, बीजों की विविधता और संरक्षण का किसानों का तरीका है। इसी प्रकार, दिवाली पर गाय, बैल आदि सभी जानवरों को सजाया जाता है। उनकी पूजा की जाती है। हल–बक्खर जैसे कृषि–औजारों की पूजा की जाती है। यह वह समय होता है जब किसान के घर में खरीफ की फसल आ जाती है– ज्वार, मक्का, चावल और उड़द जैसी दालें। अरहर की फसल को छोड़कर, वह बाद में आती है। इस दिवाली में समस्त जीव–जगत के पालन का विचार था। यह दिवाली लोगों को आपस में जोड़ती है। खेती के साथ मिट्टी–पानी और पर्यावरण का संरक्षण करते हुए देश भर बिना रासायनिक व प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत किसानों को केंचुआ खाद, हांडी खाद और जैव कीटनाशकों को तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इससे खेती में लागत खर्च कम हुआ है, मिट्टी में सुध ाार हुआ है, और उत्पादन बढ़ा है। इस काम को आगे बढ़ाने के लिए इलाके में प्रशिक्षणकर्ता तैयार किए हैं, जो किसानों को जैविक खाद व जैव कीटनाशक तैयार करने के लिए प्रशिक्षण देते हैं। इन प्रयासों में राज्य और केन्द्र सरकार के साथ किसान और गैर–सरकारी संस्थाएं भी प्रयास कर रही हैं इस प्रक्रिया के तहत समुदाय आधारित बीज बैंक बनाए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में भी ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं। ओडिशा में देसी बीज सुरक्षा मंच की पहल ने किसानों को जैविक खेती की ओर मोड़ा है। उन्हें जैव खाद व जैव कीटनाशक बनाने का प्रशिक्षण दिया है। देसी बीज बैंक बनाए हैं, जिससे देसी बीजों की सुरक्षा के साथ–साथ उनका संवर्धन भी हो रहा है। इससे मिट्टी–पानी का संरक्षण भी हो रहा है और खेती में लागत खर्च कम हो रहा है और लोगों को जैविक उत्पाद व जैविक भोजन उपलब्ध ा हो रहा है। इसी प्रकार, उत्तराखंड की विविधता आध ाारित बारहनाजा पद्धति भी काफी उपयोगी है। इस पद्धति के प्रचार–प्रसार में लगे बीज बचाओ आंदोलन के विजय जड़धारी बताते हैं कि बारहनाजा का शाब्दिक अर्थ बारह अनाज है, पर इसके अंतर्गत बारह से ज्यादा अनाज आते हैं। इसमें दलहन, तिलहन, शाक–भाजी, मसाले व रेशा सभी शामिल हैं। मंडुआ बारहनाजा परिवार का मुखिया कहलाता है। असिंचित व कम पानी में यह अच्छा होता है। पहले मडुंवा की रोटी ही लोग खाते थे, जब गेहूं नहीं था। पोषण की दृष्टि से यह भी बहुत पौष्टिक है। वे आगे बताते हैं कि बारहनाजा मिश्रित फसल पद्धति है, जिसमें खरीफ की फसलें होती हैं। इस पद्धति में मिट्टी के साथ रिश्ता है। मंडुवा, रामदाना, कुट्टू ज्यादा ताकत लेते हैं। इसलिए दलहन की फसलें लगाई जाती है। यह मिट्टी को उपजाऊ बनाने का काम करती हैं। दालों से नत्रजन मिलता है। यह सब किसानों ने अपने अनुभव से करके सीखा है। इन अनाजों में कोदा (मंडुवा), मारसा (रामदाना), ओगल (कुट्टू), जोन्याला (ज्वार), मक्का, राजमा, गहथ (कुलथ), भट्ट (पारंपरिक सोयाबीन), रैयास (नौरंगी), उड़द, सुंटा, रगड़वांस, तोर, मूंग, भगंजीर, तिल, जख्या, सण (सन), काखड़ी इत्यादि। इसकी फसलें अलग–अलग होते हुए भी एक दूसरे की सहायक हैं। रामदाना, मंडुवा, ज्वार ऊपर की तरफ बढ़ते हैं। बेलवाली दालें उससे लिपट जाती हैं। एक दूसरे को सहारा देती हैं। नियंत्रित करती हैं और उन्हें बढ़ाने में सहायक होती है।यह खेती बिना लागत वाली है। बीज खुद किसानों का होता है, जिसे वे घर के बिजुड़े (पारंपरिक भंडार) से ले लेते हैं और पशुओं व फसलों के अवशेष से जैविक खाद मिल जाती है, जिसे वे अपने खेतों में डाल देते हैं। परिवार के सदस्यों की मेहनत से फसलों की बुआई, निंदाई–गुड़ाई, देखरेख व कटाई सब हो जाती हैं।

लघुकथा

कौन ईमानदार

सीमा घर में घुसते ही सीधे माँ के कमरे में चली गई और थोड़ी ही देर में "भाभी... भाभी..." आवाज़ लगाने लगी। रसोई छोड़ निधि घबराकर सीधे माँ के कमरे में भागी, क्योंकि उसे मालूम था कि अभी घर में हंगामा होने वाला है। वह बड़ी ननद जो आई है।

"भाभी, माँ का डायपर तो बदल दिया करो! इस तरह किसी लाचार व्यक्ति को परेशान करना ठीक नहीं।"

ननद की कर्कश आवाज़ सुनकर वह सासू माँ का डायपर बदलने के लिए आगे बढ़ी, तो देखा कि चादर और गद्दा भी न जाने कैसे गंदे हो चुके थे। माँ के भारी शरीर को उठाकर चादर बदलना उसके अकेले के वश में कहाँ था! अतः वह ननद से सहायता माँगने के लिए पीछे मुड़ी, तो देखा कि वह आँगन में खड़े मुन्ने से कह रही थी, "बेटा, मैं तो नहाकर आई हूँ... जा, ज़रा माँ की सहायता कर।"

निधि चुपचाप अकेले ही सासू माँ की सेवा में जुट गई।

रचना सक्सेना

भारत के बंटवारे का जिम्मेदार कौन?

1947 में महान भारत का बंटवारा बिना किसी सुनियोजित और ठोस प्रशासनिक व्यवस्था के तथा अनावश्यक जल्दबाजी में कर दिया गया। नतीजतन इस अफरा–तफरी में दस लाख हिन्दू, सिख, मुस्लिम अपनी जानें गंवा बैठे। 21 लाख लोग लापता हो गए। लाखों महिलाओं की अस्मत लूटी गई। दो करोड़ लोगों को अपनी पुरखों की जमीन–जायदाद को सदा के लिए छोड़कर

बेघर, बे–चिराग और खानाबदोशों की तरह भटकते हुए पाकिस्तान से भारत और भारत से पाकिस्तान जाना पड़ा। रास्तों में मजहबी जुनून के पागलपन के शिकार काफिलों पर हमले करते, लूटते और कइयों को मार देते। इस जुल्मो सितम का सबसे बड़ा सामना अखंड भारत की बेटियों को करना पड़ा। कई महिलाओं ने कुंओं में छलांगें लगाकर अपनी जान दे दी और कई लोगों ने अपनी पत्नी और बेटियों को अपने ही हाथ से मार डाला ताकि वो गैर–मर्द के हाथ न लगें। जो लोग रेल गाड़ियों में बैठकर आ रहे थे उनको भी बड़ी बर्बरता के साथ डिब्बों में ही कत्ल कर दिया गया। अमृतसर का रेलवे स्टेशन इस खून–खराबे का चश्मदीद गवाह है। विश्व के इतिहास में इस तरह की क्रूरता कभी देखने को नहीं मिली। जंगली समाज में भी इस तरह की कत्लो गारत शायद नहीं हुई होगी, जितनी सभ्य समाज के लोगों ने कर दिखाई। भारत में सरकारें तो बदलती थीं पर लोग अपने–अपने स्थानों पर ही रहते थे इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ जब सरकार के बदलने से लोगों को अपना देश भी बदलना पड़ा। जब हिन्दू, मुसलमान और सिख कई शताब्दियों से शांतिपूर्ण वातावरण में प्यार मोहब्बत और आपसी सहयोग से रह रहे थे आज भी रह रहे हैं तो फिर बंटवारे की जरूरत क्या थी? इस हैरत अंगेज दुखदायी और अफसोस नाक मंजर के लिए समूची मानवता शर्मिंदा है आखिर भारत के बंटवारे के लिए कौन जिम्मेदार है? ब्रिटिश हुकूमत, मुस्लिम लीग या कांग्रेस? भारत के राजनैतिक रूप से बुरी तरह विभाजित होने के कारण दूसरे देशों से आक्रमणकारियों ने इस सोने की चिड़िया को लूटने और फिर लंबा शासन करने का मौका मिला। संकीर्ण जातीय व्यवस्था ने सामाजिक एकता में बिखराव पैदा कर दिया। संघर्षमय जीवन की बजाय पलायनवादी सोच बुरी तरह मानसिकता पर हावी हो गई। समाज की रक्षा के लिए केवल एक विशेष वर्ग को लड़ने का अधिकार था।और विदेशियों ने हमारी कमियों, कमजोरियों का खुलकर फायदा उठाया और हम लंबे समय तक गुलामी की जंजीरों में जकड़े रहे। हमारी कमजोरियों का फायदा उठाकर अंग्रेजों ने भारत पर कब्जा कर लिया। उनके साथ फ्रांसिसी और पुर्तगाली भी अलग–अलग इलाकों के शासक बन बैठे। 1857 में प्रथम स्वतंत्रता युद्ध के बाद अंग्रेजों ने भारत पर शासन करने की नीति बदल ली और लोगों को एक सूत्र में पिरोने की बजाय बांटो और राज करो की नीति अपनानी शुरू कर दी। अंग्रेजों ने कांग्रेस को कमजोर करने के लिए एक नई साजिश रची जिसके दूरगामी दुष्प्रभाव हुए। 1906 में अलीगढ़ मुस्लिम स्कूल के अंग्रेज प्रिंसिपल विलियम आर्क बोल्ड के द्वारा आगा खां के नेतृत्व में कुछ मुस्लिम नेताओं को निमंत्रित किया गया और यहीं पर लार्ड मिंटो के नाम एक पत्र तैयार किया गया जिसमें मुस्लिम नेताओं ने ब्रिटिश हुकूमत के प्रति अपनी वफादारी का आश्वासन देते हुए कहा कि वह भविष्य में इस भावना को और बढ़ाएंगे और रिश्तों को मजबूत करेंगे और उन्हें अलग विशिष्ट राजनीतिक पहचान दी जाए और निचले स्तर से लेकर असेंबली तक उनके लिए अलग निर्वाचक मंडल बनाया जाए। यह पत्र शिमला में वायसराय को दिया गया और उसके आश्वासन के पश्चात 1906 में ढाका में मुस्लिम लीग की स्थापना हुई और देश में मुसलमान मुस्लिम लीग के सदस्य बनने लगे। मुस्लिम लीग ने द्वि–राष्ट्र सिद्धांत का खुलकर लोगों में प्रचार किया कि हिंदू और मुसलमान दो सम्प्रदाय नहीं बल्कि राष्ट्र है इस सिद्धांत को ब्रिटिश पार्लियामैंट के सांसद लार्ड एकटन ने 19वीं शताब्दी के तीसरे दशक में प्रतिपादित किया था। भारत में इस सिद्धांत को सबसे पहले सर सैयद अहमद खां ने 1887 में मेरठ के जलसे में पेश किया था जिसका धीरे–धीरे प्रचार होने लगा। इस सिद्धांत का सबसे ज्यादा दुरुपयोग मोहम्मद अली जिन्ना और अल्लामा इकबाल ने किया, जिससे समूचे समाज में साम्प्रदायिकता का विष फैलने लगा और बंटवारे का एक कारण भी बना। कांग्रेस एक तरफ देश की आजादी की लड़ाई लड़ रही थी दूसरा सर्वधर्म सम्भाव के लिए संघर्षरत थी। तीसरा अंग्रेजों के क्रूर कानूनों को खत्म करने के लिए संघर्ष कर रही थी, चौथा मुस्लिम लीग की साम्प्रदायिकता को रोकने की कोशिश कर रही थी। पांचवां सभी लोगों को एक सूत्र में रखने की कोशिश में तल्लीन थी परंतु दूसरी तरफ मोहम्मद अली जिन्ना भारत के समूचे मुसलमानों के प्रतिनिधित्व का अधिकार मुस्लिम लीग के लिए मांग रहे थे। जो सामाजिक और राजनीतिक हित में नहीं था। इस कशमकश के दौरान भारत के महान सपूत, स्वतंत्रता सेनानी और आर्य समाज के प्रसिद्ध नेता लाला जगत नारायण ने छुआछूत को दूर करने के लिए लाहौर में एक बड़ा प्रीति भोज का आयोजन करके समाज सुधार की एक नई क्रांति को जन्म दिया। दूसरी तरफ देश को तोड़ने के लिए जिन्ना अंग्रेजों से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से मदद ले रहे थे। आखिर अंग्रेजों की बंटवारे की चाल चल गई और जिन्ना और मुस्लिम लीग ने लोगों के इकट्ठे रहने के सपनों पर पानी फेर दिया। कांग्रेस आखिरी दम तक बंटवारे के विरुद्ध थी। हकीकत में देश के बंटवारे के लिए अंग्रेज और मुस्लिम लीग जिम्मेदार हैं।

दर्शकों के दिलों पर छाई `बंटवारा 1947', शनिवार को टिकट बिक्री में 150 प्रतिशत से ज्यादा का उछाल

आमिर खान प्रोडक्शंस की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बंटवारा 1947' रिलीज के बाद से ही दर्शकों के बीच चर्चा में बनी हुई है। शबाना आजमी, सनी देओल और प्रीति जिंटा स्टारर यह फिल्म भारत के बंटवारे की पृष्ठभूमि पर आधारित है और उस दौर की इंसानियत, संवेदनाओं, हिम्मत और संघर्ष को पर्दे पर पेश करती है। टीजर, गानों और दमदार ट्रेलर के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी रिलीज के बाद भी बरकरार है। फिल्म की कमाई और दर्शकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। शनिवार को 'बंटवारा 1947' की टिकट बिक्री में 150 प्रतिशत से ज्यादा का उछाल दर्ज किया गया। टिकट बिक्री में आई यह तेजी संकेत देती है कि फिल्म को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है और वीकेंड पर सिनेमाघरों में इसकी फुटफॉल बढ़ी है। दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया का असर अब बॉक्स ऑफिस ट्रेंड पर भी दिखाई देने लगा है। फिल्म को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया का असर टिकट खिड़की पर साफ नजर आ रहा है। दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर चर्चा बढ़ने के साथ सिनेमाघरों में फुटफॉल भी बेहतर होती जा रही है। पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ को देखते हुए आने वाले दिनों में फिल्म की कमाई और दर्शकों की संख्या में और उछाल आने की उम्मीद जताई जा रही है। 'बंटवारा 1947' में शबाना आजमी, सनी देओल, प्रीति जिंटा, करण देओल, अली फजल और अभिमन्यु सिंह जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। फिल्म सनी देओल और निर्देशक राजकुमार संतोषी की करीब तीन दशक बाद वापसी को लेकर भी खास है। दोनों इससे पहले कई चर्चित फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं और उनकी जोड़ी को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता थी। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी 'बंटवारा 1947' का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्ममेकर राजकुमार संतोषी ने किया है। फिल्म का संगीत ए. आर. रहमान ने तैयार किया है, जबकि इसके गीतों के बोल जावेद अख्तर ने लिखे हैं। फिल्म का निर्माण आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने किया है। 'बंटवारा 1947' 14 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई है।

> ❝ फिल्म को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया का असर टिकट खिड़की पर साफ नजर आ रहा है। दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर चर्चा बढ़ने के साथ सिनेमाघरों में फुटफॉल भी बेहतर होती जा रही है।

अल्लू अर्जुन ने की 'डीसी द ब्लडी वैलेंटाइन' की जमकर तारीफ, पोस्ट शेयर कर डायरेक्टर और एक्टर पर कही ये बात

महेश बाबू के बाद अब अल्लू अर्जुन भी उन सितारों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने इस एक्शन थ्रिलर की तारीफ की है। फिल्म देखने के बाद 'पुष्पा' स्टार ने सोशल मीडिया पर इसे 'तमिल क्लासिक' बताया और हर फिल्म प्रेमी से इसे देखने की अपील की। अल्लू अर्जुन ने एक्स पर फिल्म की तारीफ करते हुए लिखा, 'डीसी देखी। यह एक तमिल क्लासिक है। हर फिल्म लवर को इसे जरूर देखना चाहिए। जो लोग इसे समझते हैं, उनके लिए यह कविता है।' एक्टर ने फिल्म की पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने खास तौर पर डायरेक्टर अरुण माथेश्वरन के काम की तारीफ करते हुए कहा कि फिल्म में उनके काम के लिए उन्हें सबसे ज्यादा सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने अनिरुद्ध रविचंदर को 'एब्सोल्यूट मास्टर बूस्टर' बताया। एक्टर ने वामिका गब्बी और फिल्म के लीड एक्टर लोकेश कनगराज की परफॉर्मेंस की भी तारीफ की। लोकेश को संबोधित करते हुए अल्लू अर्जुन ने उन्हें 'माय डायरेक्टर' कहा और अपना सबसे बड़ा सपोर्ट सिस्टम बताया। 'डीसी द ब्लडी वैलेंटाइन' 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में लोकेश कनगराज , वामिका गब्बी , संजना कृष्णमूर्ति , थलईवासल विजय और बालाजी देवीप्रसाद अहम किरदार में नजर आ रहे हैं। इसका डायरेक्शन अरुण माथेश्वरन ने किया है।

`धुरंधर 2' के साथ क्लैश पर यश का बड़ा बयान, `टॉक्सिक' के पोस्टपोन पर भी बोले एक्टर, कहा- `अहंकार का नहीं'

साउथ सुपरस्टार यश इन दिनों अपनी फिल्म 'टॉक्सिक ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की रिलीज को लेकर पहले रणवीर सिंह की 'धुरंधररू द रिवेंज' के साथ क्लैश की बात सामने आई थी। अब यश ने इस पूरे मामले पर अपनी राय दी है। फिल्म 'टॉक्सिक' पहले 19 मार्च 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन मिडिल ईस्ट में बनी अनिश्चितता के चलते इसकी रिलीज 4 जून कर दी गई। इसके बाद फिल्म की रिलीज फिर टाल दी गई। अब हाल ही में इंडिया टीवी के शो 'आप की अदालत' में यश ने फिल्म की रिलीज टालने और बॉक्स ऑफिस क्लैश को लेकर खुलकर बात की। यश ने साफ कहा कि फिल्म की रिलीज आगे बढ़ाने का फैसला इस डर से नहीं लिया गया कि बॉक्स ऑफिस पर 100 या 200 करोड़ रुपये का नुकसान हो जाएगा। यश ने कहा कि अगर वह सिर्फ अपनी इमेज बचाने या किसी को कुछ साबित करने के लिए फिल्म को उसी तारीख पर रिलीज करते, तो वह असली अहंकार होता। उनके लिए सबसे जरूरी यह था कि वह दर्शकों से किया हुआ अपना वादा पूरा कर पा रहे हैं या नहीं। अगर उन्हें लगता है कि वह दर्शकों को वह फिल्म नहीं दे पा रहे हैं, जिसका उन्होंने वादा किया था, तो वह पीछे हटने के बजाय आगे बढ़ना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा, 'जो भी क्लैश आप बोल रहे हैं, उसमें मैं सीधे जाकर कभी क्लैश में नहीं आया। मेरी डेट पहले अनाउंस होती है और उसके बाद अगर कोई फिल्म आती है, तो वो क्लैश हो जाता है।' यश ने यह भी कहा कि उन्हें जिंदगी में कुछ खोने का डर नहीं है। उन्होंने कहा, जिंदगी में मुझे खोने का कुछ है ही नहीं, तो मुझे डर है ही नहीं।' बॉक्स ऑफिस पर 100 या 200 करोड़ रुपये के नुकसान की बात पर भी यश ने इसे ज्यादा बड़ी चिंता नहीं माना। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बिल्कुल शून्य से की थी। आज उनके पास जो कुछ भी है, वह उनके लिए एक एक्स्ट्रा चीज है। फिल्म श्टॉक्सिकश में यश मुख्य भूमिका में हैं। उनके अलावा कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसी अभिनेत्रियां भी इसमें नजर आएंगी। यह फिल्म 26 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सिर्फ चार दिनों में इमरान की सबसे कमाऊ फिल्म बनी आवारापन 2 जानिए कहां पहुंचा टोटल कलेक्शन?

इमरान हाशमी की फिल्म आवारापन साल 2007 में रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर यह औंधे मुंह गिरी थी। हालांकि, फिल्म का म्यूजिक खूब हिट रहा। और...बाद में यह फिल्म भी कल्ट क्लासिक बन गई। 14 अगस्त को इस फिल्म का सीक्वल आवारापन 2 रिलीज हुई। सावन के महीने में रिलीज हुई यह फिल्म इमरान हाशमी के लिए बढ़िया शगुन लेकर आई है। आवारापन 2 का बॉक्स ऑफिस पर टकराव सनी देओल की बंटवारा 1947 से हुआ है। मगर, ओपनिंग डे से ही इमरान की फिल्म रेस में आगे चल रही है। फिल्म का तीन दिनों का टोटल इंडिया नेट कलेक्शन 81.75 करोड़ रुपये हो चुका है। इमरान हाशमी की फिल्म वर्ल्डवाइड भी धुआं उड़ा रही है। सैकनिल्क पर प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 110.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म को जिस हिसाब से प्यार मिल रहा है, जल्द ही यह भारतीय बॉक्स ऑफिस पर भी 100 करोड़ी हो जाएगी। अब तक इमरान की जिन फिल्मों ने 100 करोड़ क्लब में एंट्री ली है, उनमें वे सेकंड हीरो के रूप में रहे हैं। अब तक इमरान हाशमी की सबसे ज्यादा कमाऊ फिल्मों में द डर्टी पिक्चर का नाम शामिल था। मगर आवारापन 2 ने तीन दिनों की कमाई से ही इसके लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। इमरान की टॉप 5 में द डर्टी पिक्चर के अलावा बादशाहो, राज 3य वन्स अपॉन ए टाईम इन मुम्बई, मर्डर 2 और जन्नत 2 भी शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि आवारापन 2 इन मायनो में भी खास है कि यह पूरी तरह से इमरान के कंधों पर है। देखना दिलचस्प होगा कि आवारापन 2 इमरान के करियर में कितनी उपलब्धि दर्ज कराती है। नितिन कक्कड़ निर्देशित इस फिल्म में दिशा पाटनी और शबाना आजमी भी अहम भूमिका में हैं।

मां की गोद में सिर रखकर सुकून से आराम फरमाते नजर आए सोहेल खान, बोले- मेरी मां सबसे मजबूत हैं

सोहेल खान बीते दिनों रियलिटी शो श्द अलायंसश में नजर आए थे। इसके खत्म होने के बाद उन्होंने इसकी सक्सेस पर पार्टी भी रखी, जहां कई सेलेब्स शामिल हुए थे। इस शो के बाद सोहेल अब फैमिली के साथ फुरसत के पल बिता रहे हैं। उन्होंने अपनी मां के साथ एक तस्वीर शेयर की है। अभिनेता सोहेल खान ने आज सोमवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने अपनी मां सलमा के साथ फोटो साझा की है, जिसमें वे मां की गोद में सिर रखकर सुकून से लेटे हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, मेरी मम्मा सबसे मजबूत हैं। साथ ही रेड हार्ट इमोजी बनाया है। सोहेल खान की यह तस्वीर देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि द अलायंस के बाद वे फैमिली के साथ क्वालिटी टाइम बिता रहे हैं। सोहेल अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट से फैमिली फोटोज शेयर करते हैं। उनकी इस तस्वीर पर नेटिजंस खूब प्यार लुटा रहे हैं। यूजर्स लिख रहे हैं, दुनिया की सारी सहूलियत एक तरफ और मां की गोद में सिर रखकर सोना एक तरफ। सोहेल खान के इस पोस्ट पर प्रतीक सहजपाल और कुशाल टंडन समेत कई सेलेब्स ने भी रिएक्शन दिए हैं। बता दें कि सोहेल खान ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि रियलिटी शो से आने के बाद उन्हें हेल्थ प्रॉब्लम हुई थी। ऐसा वजन कम होने के चलते हुआ। सोहेल ने एचटी के साथ इंटरव्यू के दौरान यह जिक्र किया था। दरअसल, सोहेल खान के अचानक कम हुए वजन को लेकर फैंस भी चिंतित हैं। इस बारे में जब एक्टर से पूछा गया तो उन्होंने कहा, श्मैंने पहली बार किसी रियलिटी शो में हिस्सा लिया था। शुरुआत में क्लॉस्ट्रोफोबिक (बंद जगह में होने वाली घबराहट) महसूस हुई। घर में घुसने के पहले वीक पेट की तकलीफ ने मुश्किल बढ़ाई। एक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका वजन किसी दवा या फैट बर्नर से नहीं, बल्कि रियलिटी शो द अलायंस के दौरान हुई पेट की बीमारी और खान–पान में बदलाव के कारण घटा।

गाल और गर्दन की चर्बी से छुटकारा पाने के लिए रोजाना करें ये 2 फेस योगा

सुस्त लाइफस्टाइल और खानपान की खराब आदतों की वजह से आजकल हर दूसरा व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है। मोटापा चाहे पेट के आसपास हो या फिर चेहरे पर जमा चर्बी, व्यक्ति की पर्सनालिटी खराब करने के साथ उसका आत्मविश्वास भी कमजोर बनता है। विशेषज्ञों की मानें, तो मोटापे की वजह से व्यक्ति को बीपी, डायबिटीज जैसे कई रोग भी घेरने लगते हैं। जिससे बचने के लिए लोग कभी जिम में एक्सरसाइज तो कभी योगा का सहारा लेते हैं। बावजूद इसके कई लोग डबल चिन या गालों पर जमा चर्बी से परेशान रहते हैं। चेहरे पर जमा इस चर्बी की वजह से व्यक्ति अपनी उम्र से भी ज्यादा बड़ा लगता है। अगर आप भी इस तरह की समस्या से परेशान रहते हैं तो डबल चिन की समस्या दूर करने के लिए रोजाना करें ये दो फेस योगा। इन आसनों की मदद से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, चिन के आसपास का फैट बर्न होता है, जिससे डबल चिन घटने में मदद मिलती है।

साइड टंग पोज–

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले मैट बिछाकर सुखासन में बैठ जाएं। इसके बाद अपने चेहरे को सामान्य रखते हुए अपनी गर्दन को दाईं या बाईं ओर घुमाएं। अब जीभ को बाहर की ओर निकालें और आपके गाल अंदर की ओर धंसने चाहिए। कुछ देर अपनी जीभ बाहर रखें, इसके बाद जीभ को अंदर लेते हुए आसमान की ओर देखें। इसके बाद, दूसरी तरफ से भी इस प्रक्रिया को दोहराएं।

स्ट्रेच पोज–

स्ट्रेच पोज करने के लिए आप सबसे पहले योगा मैट पर बैठकर अपनी गर्दन को आसमान की ओर उठाते हुए एक हाथ से अपने गले को हल्के हाथ से पकड़ते हुए आसमान की ओर देखते हुए अपने होंठों को पाउट बनाएं, जैसे कि आप आसमान की ओर किस कर रहे हैं।

नाश्ते में आलू – चीज की जगह ट्राई करें हेल्दी एवोकाडो सैंडविच, बेहद आसान है रेसिपी

आप सब ने अब तक नाश्ते में कई बार आलू या चीज का सैंडविच बना कर खाया होगा। ये खाने में तो बहुत टेस्टी लगते हैं पर हेल्दी नहीं होते। इसलिए आज हम आपको बताने जा रहे हैं एक ऐसी सैंडविच रेसिपी के बारे में जो टेस्टी होने के साथ बहुत हेल्दी भी है। इस रेसिपी का नाम है एवोकाडो सैंडविच। तो आइए आज छंजपवदंस ।अवबंकव क्लं पर हम आपको बताते हैं इसकी आसान सी रेसिपी...

एवोकाडो सैंडविच बनाने की सामग्री

एवोकाडो– 1

प्याज (बारीक काट हुआ)– 1

टमाटर (कटा हुआ) – 1

लहसुन (कद्दूकस किया हुआ) – 2

हरा धनिया (कटा हुआ) –1 चम्मच

रेड चिली फ्लेक्स – 1/2 छोटा चम्मच

काली मिर्च पाउडर– 1/4 छोटा चम्मच

नींबू का रस– 1 चम्मच

नमक स्वादानुसार

एवोकाडो सैंडविच बनाने की विधि

1. सबसे पहले एक एवोकाडो को छीलकर इसका गूदा निकलकर अच्छी तरह से मैश कर लें।

2. अब इसमें सारी ऊपर बताई हुई सामग्री मिला लें।

3. एक ब्रेड स्लाइस में बटर लगाएं और एवोकाडो का तैयार मिश्रण फैलाकर ऊपर से दूसरी ब्रेड स्लाइस से कवर कर लें।

4. सैंडविच को दोनों तरफ से अच्छी तरह से सेंक लें।

5. एवोकाडो सैंडविच तैयार है। हरी चटनी या टमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

हरियाली तीज में दमकती त्वचा के लिए अजमाएं शाहनाज हुसैन के ये टिप्स, नहीं हटेगी पति की नजर

हिन्दू पंचांग के अनुसार सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि यानि 19 अगस्त 2023 को हरियाली तीज मनाई जाएग। इस उत्सव को श्रावणी तीज या कजरी तीज भी कहते हैं।इस त्योहार में महिलाएं सोलह सिंगार करके गौरी शंकर जी की पूजा अर्चना करती हैं। गर्मियों के मौसम के बाद महिलाएं वर्षा ऋतु का तीज उत्सव मनाकर स्वागत करती हैं। हरियाली तीज उत्तर भारत की महिलाओं का धार्मिक त्यौहार ही नहीं बल्कि प्राकृतिक उत्सव मानाने का खास दिन माना जाता है जब महिलाएं दुल्हन की तरह सजती और संवरती हैं। तीज मेहंदी , लहरिया ,झूले, चूड़ियों और श्रृंगार का पावन पर्व माना जाता है। बरसात के मौसम में धरती माँ द्वारा औढ़ी गई हरियाली की चादर में मनाए जाने बाले इस त्यौहार में सुहागिन महिलायें हाथों पर हरी मेहँदी लगाकर प्रकृति से जुड़ने की अनुभूति करती हैं । तीज में सहेलियां सामूहिक रूप से झूला झूलती हैं तथा इसमें गीत संगीत , तीज मिलन , सामूहिक भोज और मिष्ठानों का आदान प्रदान सामाजिक समरसता को सुदृढ़ बनाता है। इस दिन विवाहित हिन्दू महिलाएं अपने सुहाग की लम्बी उम्र के लिए एक दिन निर्जला व्रत रखती हैं जबकि कुंवारी कन्याएं मनचाहे बर की प्राप्ति के लिए दिन भर व्रत रखती हैं। सावन की फुहारों में मनाये जाने बाले इस पवित्र पर्व पर महिलायें प्रेम की फुहारों से अपने परिवार की खुशहाली तथा वंश वृद्धि की कामना करती हैं । यह त्यौहार राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश सहित उत्तरी राज्यों में काफी धूम–धाम से मनाया जाया जाता है। हरियाल तीज में महिलायें ब्रत रखती हैं तथा झूला झूलती हैं।

इस त्यौहार में विवाहित महिलाऐं भगवान शिव और मां पार्वती की आराधना और उपवास रखकर अपने पति की लंबी उम्र तथा समृद्धि की कामना करती है। इस त्यौहार में महिलाएं मेंहदी, चूड़ियां, बिंदी तथा सुन्दर परिधानों से सुसज्जित होती है तथा सौंदर्य इस त्यौहार का मार्मन्त अंग है। हालांकि महिलाओं की ख्वाहिश हमेशा से सुन्दर दिखने की रहती है लेकिन हरे रंग की चादर ओढे प्राकृतिक वातावरण में मेकअप के दौरान कुछ उपायों को अपना कर आप न केवल सुन्दर बल्कि सवसे अलग भी दिख सकती हैं।

इस त्योहार में कुछ प्राकृति आर्युवेदिक प्रसाधनों का प्रयोग करने से आपके सौंदर्य को चार चांद लग सकते है। प्राचीन समय में शारीरिक सौंदर्य के लिए घरेलू उबटन का प्रयोग किया जाता था। उबटन मुख्यतः चोकर, बेसन, दही, मलाई तथा हल्दी के मिश्रण से बनाया जाता था। इन सबको पीसकर मिश्रण को नहाने से पहले शरीर पर लगाया जाता था। इसे नहाने के समय ताजे पानी से धोया जाता था जिससे शरीर की मृतक कोशिकाऐं हटाने में मदद मिलती थी जिससे शारीरिक त्वचा कोमल तथा मुलायम बन जाती है।

सबसे पहले शरीर की तिल के तेल से मालिश की जाती थी तथा उसके बाद उबटन लगाया जाता था जिसे आधे धंटे के अन्तराल के बाद नहाकर धो डाला जाता था। इस उबटन में विद्यामन विभिन्न तत्वों को रगड़ने तथा धोने से त्वचा की मृतक कोशिकाओं से छुटकारा पाने में मदद मिलती थी तथा त्वचा में कोमलता तथा निर्मलता का निखार आ जाता था।

मैं महिलाओं को सलाह दूंगी कि तीज के त्योहार में आप आज के समय में भी प्राकृतिक घरेलू आयुर्वेदिक पदार्थो का सहारा लेकर उबटन तैयार कर अपने सौंदर्य को चमका सकती है।

अपने चेहरे को सुन्दरता के लिए आप घर बैठे सौन्दर्य प्रसाधन बना सकती है। आप दो चम्मच चोकर में एक चम्मच बादाम तेल, दही, शहद तथा गुलाब जल मिश्रित कर लीजिए। इसमें आप सूखे पुदीने की पत्तियों का पाऊडर मिला लीजिए। इसके चेहरे पर लगाने से चेहरे में प्राकृतिक आभा तथा चमक दमक आ जाएगी। इन सब तत्वों को मिश्रित कर के पेस्ट बना लीजिए तथा आंखों तथा होठों को छोड़कर बाकी पूरे चेहरे पर लगा लीजिए। इसे चेहरे पर 30 मिनट तथा लगा रहने दीजिए तथा बाद में स्वच्छ ताजे पानी से धो डालिए।

तीज के त्यौहार में बालों की सुन्दरता के लिए शुद्ध नारियल तेल को गर्म करके इसे बालों तथा सिर की खाल पर लगा लीजिए इसके बाद एक तौलिए को गर्म पानी में डुबोकर गर्म पानी को निचोड़ दीजिए तथा उस तोलियें को पगड़ी की तरह 5 मिनट तक सिर पर लपेट लीजिए। इस प्रक्रिया को 3–4 बार दोहराइए। इस प्रक्रिया से बालों तथा सिर की खाल को तेल को थामें रखने में मदद मिलती है। इस तरह तेल को एक घंटा तक बालों में लगाने के बाद बालों को साफ पानी से धो डालिए। निर्जीव तथा थकी आंखों के लिए काटनवुल पैड को गुलाब जल में भीगो दीजिए तथा इसे आंखें बंद करके आई पैड की तरह प्रयोग करके 10 मिनट तक नीचे लेटकर आराम कीजिए। इससे आंखों की थकान मिटती है तथा आंखों में प्राकृतिक चमक आ जाती है।

मेकअप–

– तीज में महिलाऐं दुल्हन की तरह सजती, संवरती है इस त्यौहार में महिलाएं मेहन्दी पारम्पारिक पहनावें, गहने तथा सौन्दर्य प्रसाधनों का उपयोग करती है। तीज जैसे त्यौहारों को चकाचौंध । रोशनी में मनाया जाता है तथा इसके सौन्दर्य के लिए आपको चमकीले रंगों की जरूरत होती है अन्यथा आप कांतिहीन दिखेंगी।

–सबसे पहले त्वचा को साफ करके इस पर तरल मॉइस्चराइजर लगाइए। तैलीय त्वचा के लिए अस्ट्रिन्जट लोशन का उपयोग कीजिए। कुछ मिनटों के बाद त्वचा के दाग धब्बों को कंसीलर से कवर करके अप्लाई कीजिए।

–फांउडेंशन का उचित चुनाव करते समय अगर आपकी त्वचा काफी साफ है तो हल्दी गुलाबी टोन वाले मटमैले रंगों का चयन करें। यदि आपकी त्वचा का रंग साफ है लेकिन पीला पड़ गया है तो गुलाबी टोन को छोड़कर मटमैले या बिस्किट रंग का चयन करें। सांवले रंग वाली महिलाओं के लिए भूरे मटमैले फाउंडेशन से बेहतर सौंदर्य प्राप्त कर सकती है।

–तीज जैसे विशेष त्योहार के लिए आप गोल्ड फांउडेशन का चयन भी कर सकती है। इसे चेहरे पर लगाकर गीले स्पंज से ब्लेन्ड कीजिए। गालों को ब्लशर से चिन्हांकित कीजिए। इसे गालों पर लगाकर अहिस्ता से ऊपर तथा नीचे की तरफ घुमाऐं। इसके बाद गालों पर हल्के रंग हाइलाइटर लगाकर अच्छे तरीके से ब्लेड करें।

–रात्रि के समय ब्लशर रंगों का होठों के रंगों से मेल जरूरी नहीं हैं लेकिन टोन का रंग सामान्य एक जैसा होना चाहिए। यदि आपने नांरगी लपिस्टक लगाई है तो गुलाबी ब्लश से दूर रहिए।

–आंखों की सुन्दरता के लिए आंखों की ऊपरी पलक पर हल्के भूरे प्रतिबिम्ब को लगाइए। क्रीम में गहराई के लिए गहरे भूरे आई शैडों का प्रयोग करें। आंखों को गहरे आई पेंसिल से सीमांकित करें। स्मज प्रभाव के लिए आंखों की ऊपरी परत पर गहरी आई शैडो भी अच्छा प्रभाव देती है। तीज के त्योहार में ब्रोंज शैडो को ऊपरी परत पर आईलाईनर को लाईन करने के लिए आप गोल्ड सिल्वर तथा ब्रोंज शैडो का प्रयोग कर सकती है। सामान्य भारतीय रंग के लिए आप लिपस्टिक में मूंगियां, लाल, गहरे लाल रंग की शेड की लिपस्टिक का प्रयोग कर सकती है। गहरा गुलाबी रंग भी काफी जच सकता है। ज्यादातर त्वचा के रंगों में नारंगी शेड भी काफी सराही जाती है।

–किसी भी भारतीय त्योहार में बिन्दी सौंदर्य का अभिन्न अंग मानी जाती है। अपनी पोशाक से मिलती जुलती चमकती बिन्दी का जरूर प्रयोग करें। चमकीले रत्नों से जड़ित तथा चमकीले रंगों से सुसज्जित बिन्दी काफी आर्कषक दिखती है।

(लेखिका अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौंदर्य विशेषज्ञ है तथा हर्बल क्वीन के रूप में जानी जाती हैं।)

वास्तु शास्त्र के नियमों के हिसाब से हर एक चीज की खास ऊर्जा होती है। यहां की पेड़–पौधों में भी अपनी एक उर्जा होती है, एलोवेरा में भी। ये पौधा ना सिर्फ सेहत के लिहाज से बहुत फायदेमंद है बल्कि इसमें काफी सारी सकारात्मक ऊर्जा होती है जो जिंदगी में तरक्की के रास्ते में आ रही बाधाओं को दूर करती है, अगर इसे वास्तु के नियमों के हिसाब से लगाए जाए तो। आइए आपको बताते हैं इसके बारे में...

एलोवेरा से जुड़े वास्तु टिप्स

– वास्तु में घर में एलोवेरा का पौधा लगाना बहुत शुभ माना जाता है। ये पौधा घर पर लगाने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। घर में इसे लगाने से सफलता में आ रही सभी तरह की बाधाएं दूर हो जाती है। वास्तु शास्त्र के नियमों के हिसाब से तरक्की के लिए इस पौधे को पश्चिम दिशा में लगाना चाहिए। इसके अलावा घर में दक्षिण– पूर्व कोने में भी आप लगा सकते हैं।

– इस पौधे को घर की पूर्व दिशा में लगाने से मन को शांति मिलती है। एलोवेरा को घर के उत्तर–पश्चिम कोने से दूर रखना चाहिए।

– एलोवेरा को घर की बालकनी या बगीचे में रखना वास्तु के अनुसार शुभ माना जाता है। इसे लगाने से नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं। एलोवेरा को धन और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। वहीं इसे लगाने से आर्थिक रूप से स्थिरता भी आती है।

नोट– एलोवेरा के पौधे की देखभाल में सबसे मुख्य बात यह है कि आपको इसे जरूरत से ज्यादा पानी नहीं देना चाहिए। इस पौधों को बहुत कम पानी की जरूरत होती है, ज्यादा पानी से पत्तियां पीली और मुलायम हो सकती हैं।

खूब सारी सब्जी और सॉस से बनता है मनचाऊ सूप, पीने पर गले को मिलता है आराम

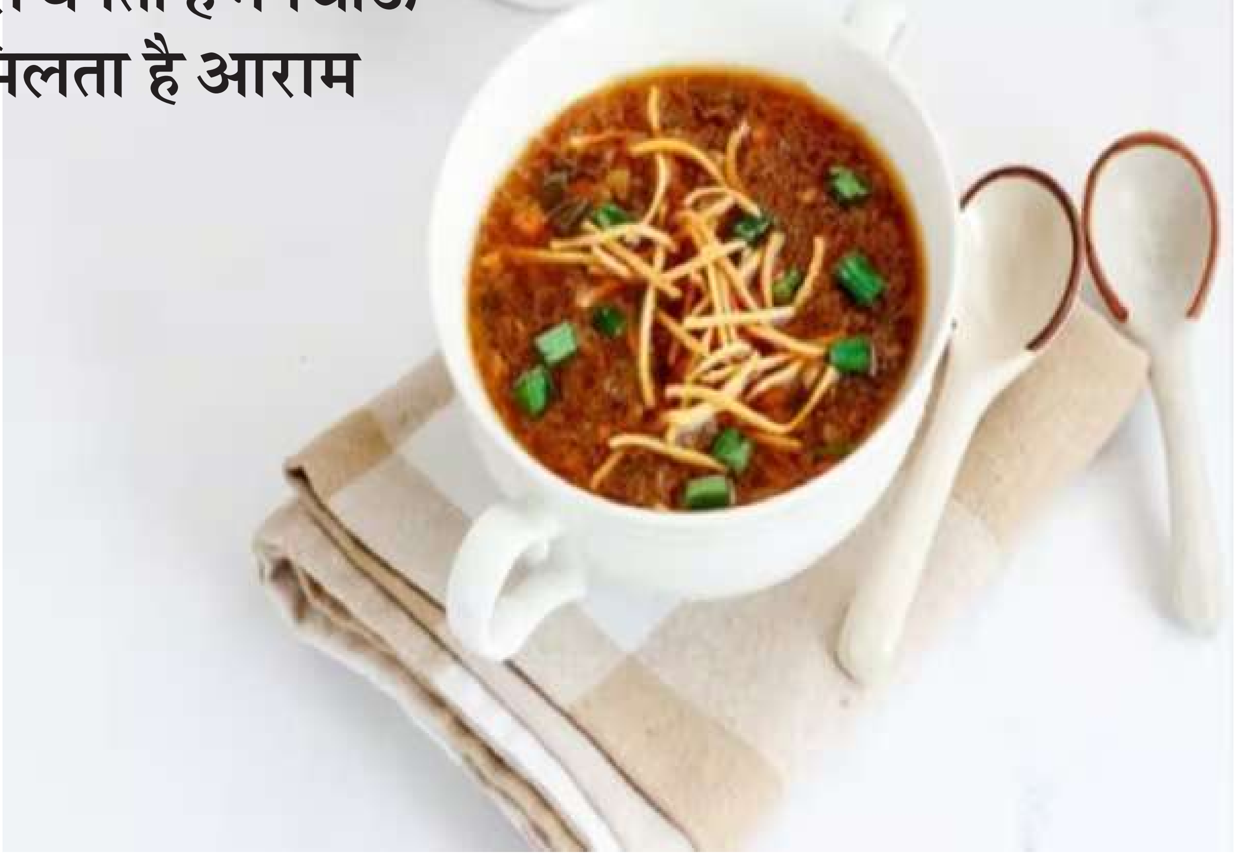

बारिश के मौसम में वायरल फीवर, गले में खराश, बेचौनी, शरीर में दर्द होना काफी कॉमन है। ऐसे में अगर इस मौसम में खान पान का ख्याल अच्छी तरह से रखा जाए तो आप खुद को संक्रमण से बचा सकते हैं। अगर किसी को गले में खराश और बेचौनी जैसी समस्या हो रही है तो हल्का खाना बेहतर है। ऐसे में आप खुद के लिए सूप बना सकते हैं। सूप सेहत के लिए फायदेमंद और स्वाद से भी भरपूर होते हैं। इस आर्टिकल में हम बता रहे हैं वेजिटेबल मनचाऊ सूप बनाने का तरीका। जानिए

वेजिटेबल मनचाऊ सूप बनाने के लिए आपको चाहिए...

पत्ता गोभी

हरी प्याज

गाजर

शिमला मिर्च

कॉर्नफ्लोर

तेल

लहसुन

अदरक

हरी मिर्च

सोया सॉस

ग्रीन चिली सॉस

विनेगर

काली मिर्च पाउडर

नमक

फ्राइड नूडल्स

कैसे बनाएं वेजिटेबल मनचाऊ सूप

इस सूप को बनाने के लिए सबसे पहले सारी सब्जियों को बारीक काट लें। अब आधा कप पानी में कॉर्नफ्लोर मिक्स करें। इसे अच्छी तरह से मिक्स करें और फिर एक साइड में रख दें। अब एक पैन में तेल गर्म करें और फिर इसमें अदरक, लहसुन और हरी प्याज डालें। 1 मिनट तक पकाएं और फिर इसमें सभी सब्जियों को डाल कर पकाएं। कम से कम 2 मिनट को लिए पकाएं और फिर इसमें पानी डालें। इसे मीडियम आंच पर ही पकाएं। ध्यान रखें, इसे बीच–बीच में चलाते रहें।

अब इसमें सभी सॉस मिलाएं और अच्छे से मिक्स कर दें। फिर इसमें कॉर्नफ्लोर की स्लरी डालें और फिर इसे मीडियम आंच पर रखकर पकाएं। इसमें नमक और काली मिर्च पाउडर डालें और फिर 5 मिनट के लिए इसे पकाएं, सूप तैयार है गर्मागर्म सर्व करें। इसे सर्व करने के लिए इसके ऊपर हरी प्याज और फ्राइड नूडल्स डालें।

संक्षिप्त

एशियाड में अफगानिस्तान की कमान दरविश रसूली के हाथ, 15 सदस्यीय टीम में नजीबुल्लाह–जनत भी

काबुल,एजेंसी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने जापान के आइची–नागोया में होने वाले आगामी 20वें एशियाई खेलों के पुरुष क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। मध्यक्रम के बल्लेबाज दरविश रसूली को टीम की कमान सौंपी गई है। चयनकर्ताओं ने टीम में अंतरराष्ट्रीय अनुभव और युवा प्रतिभा का संतुलन बनाने की कोशिश की है। एशियाई खेलों का आयोजन 17 सितंबर से तीन अक्टूबर तक होगा। क्रिकेट मुकाबले कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले जाएंगे। यह मैदान इससे पहले 2026 पुरुष टी20 विश्व कप के ईस्ट एशिया–पैसिफिक उप–क्षेत्रीय क्वालिफायर की मेजबानी कर चुका है। अफगानिस्तान की टीम में अनुभवी नजीबुल्लाह जादरान और ऑलराउंडर करीम जनत को शामिल किया गया है। इनके अलावा हाल ही में संपन्न शापेजा क्रिकेट लीग 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। फॉर्म में चल रहे शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मोहम्मद अकरम को पहली बार राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। उन्होंने एससीएल 2026 में आठ पारियों में 339 रन बनाए, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल रहे। ऑलराउंडर इस्मत आलम को भी उनके शानदार घरेलू प्रदर्शन का इनाम मिला है। उन्हें SCL 2026 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था। उन्होंने टूर्नामेंट में 294 रन बनाने के साथ नौ विकेट भी हासिल किए। टीम में कुछ युवा खिलाड़ियों पर भी चयनकर्ताओं ने भरोसा जताया है। इनमें अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नबी के बेटे हसन इसाखेल, फैसल खान शिनोजादा और नांग्याल खरोटी शामिल हैं। अफगानिस्तान का एशियाई खेलों में पुरुष क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड रहा है। टीम ने 2010, 2014 और 2022 के एशियाई खेलों में रजत पदक जीता था। अब उसकी नजर पहली बार स्वर्ण पदक जीतने पर होगी। आगामी एशियाई खेल क्रिकेट की महाद्वीपीय प्रतियोगिता में इस खेल की चौथी उपस्थिति होगी। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत मौजूदा पुरुष और महिला दोनों वर्गों का गत चैंपियन है। अफगानिस्तान की 15 सदस्यीय टीमरू दरविश रसूली (कप्तान), मोहम्मद इशाक (विकेटकीपर), मोहम्मद अकरम, हसन इसाखेल, खालिद तानिवाल, इमरान मीर, फैसल खान शिनोजादा, नजीबुल्लाह जादरान, फरमानुल्लाह सफी, इस्मत आलम, करीम जनत, नांग्याल खरोटी, अरब गुल मोमंद, फरीदून दाऊदजई और अब्दुल्ला अहमदजई।

सौर ऊर्जा के मामले में बड़ा खुलासा, जानिए चीन पर निर्भरता खत्म कर करने के मामले में हम कहां

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत ने अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर छू लिया है। नीति आयोग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सौर मॉड्यूल बनाने की क्षमता साल 2014 के महज 2.3 गीगावाट से बढ़कर अगस्त 2025 में रिकॉर्ड 100 गीगावाट पहुंच चुकी है। लेकिन इस शानदार कामयाबी के पीछे एक बड़ी चुनौती भी छिपी है। भारत आज भी सोलर पैनल बनाने के लिए जरूरी कच्चे माल और कल–पुर्जों के लिए विदेशों, विशेषकर चीन पर निर्भर है । भारत की सौर ऊर्जा क्षमता में पिछले एक दशक में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2015 से 2025 के बीच देश ने अपनी ग्रिड में 103 गीगावाट सौर ऊर्जा जोड़ी है, जिससे मार्च 2025 तक भारत का कुल सौर ऊर्जा आधार 106 गीगावाट तक पहुंच गया है। साल 2030 तक भारत ने 280 गीगावाट सौर क्षमता हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इसका मतलब है कि देश को अगले कुछ वर्षों में 174 गीगावाट अतिरिक्त क्षमता जोड़नी होगी, जिससे घरेलू स्तर पर सोलर कंपोनेंट्स (पुर्जों) की मांग काफी तेजी से बढ़ेगी। नीति आयोग के मुताबिक, देश का सौर विनिर्माण मुख्य रूप से सोलर सेल और मॉड्यूल को असेंबल करने तक ही सीमित है। सोलर पैनल बनाने की शुरुआती कड़ियों, जैसे पॉलीसिल्कॉन, इंगट) और वेफर के निर्माण में भारत की मौजूदगी बेहद सीमित है। वेफर मैन्युफैक्चरिंग न होने और सेल उत्पादन क्षमता कम होने के चलते, भारतीय विनिर्माताओं को बड़े पैमाने पर इनका आयात करना पड़ता है। चीन वैश्विक सौर विनिर्माण क्षेत्र पर पूरी तरह हावी है। दिसंबर 2024 तक दुनिया की कुल आपूर्ति क्षमता का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अकेले चीन के पास था। यही कारण है कि साल 2024 में भारत के कुल सोलर सेल और मॉड्यूल आयात में चीन की हिस्सेदारी लगभग 59 प्रतिशत रही। यह आंकड़ा दर्शाता है कि घरेलू क्षमता बढ़ने के बावजूद चीन पर भारत की निर्भरता काफी गहरी है। चीन में मैन्युफैक्चरिंग का एकीकरण और विदेशी संस्थाओं पर अमेरिका द्वारा संभावित प्रतिबंधों के कारण वैश्विक स्तर पर पॉलीसिल्कॉन की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इससे कीमतें बढ़ने का खतरा है, जिसका सीधा असर भारतीय मॉड्यूल निर्माताओं की लागत पर पड़ेगा। हालांकि, सरकार के समय पर हस्तक्षेप और वर्तमान ओवरसप्लाई (अत्यधिक आपूर्ति) ने भारतीय उद्योगों को सहारा दिया है। लेकिन दीर्घकालिक स्थिरता के लिए भारत को जल्द ही एकीकृत मूल्य शृंखला अपनानी होगी। नीति आयोग ने साफ चेतावनी दी है कि भारत को केवल असेंबलिंग तक सीमित रहने के बजाय पॉलीसिल्कॉन से लेकर सेल विनिर्माण तक की पूरी मूल्य श्रृंखला का भारत में ही विस्तार करना होगा। स्थिर बाजार की परिस्थितियां केवल उन्हीं कंपनियों के पक्ष में रहेंगी जो कच्चे माल से लेकर अंतिम उत्पाद तक खुद तैयार करती हैं। भारत को 2030 का लक्ष्य पाने और आयात से मुक्ति के लिए बैकवर्ड इंटीग्रेशन (पिछड़ा एकीकरण) को तेज करना ही होगा।

बांग्लादेश से हार के बाद ऑस्ट्रेलिया में बदलाव की मांग, हेड कोच की आई प्रतिक्रिया, जानें क्या बोले

डार्विन,एजेंसी। बांग्लादेश के खिलाफ डार्विन में मिली ऐतिहासिक हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम में बदलाव की मांग तेज हो गई है। पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने टीम में 'रीजनरेशन' यानी नए खिलाड़ियों को मौका देने की जरूरत बताई है, लेकिन मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने इस तरह के फैसले में जल्दबाजी से बचने की सलाह दी है। बांग्लादेश ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया को हराकर पहली बार उसकी जमीन पर टेस्ट जीत दर्ज की। इस हार के बाद ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाजी और नंबर तीन की स्थिति पर सवाल उठने लगे हैं। जेक वेदराल्ड और मार्नस लाबुशेन दबाव में हैं। हालांकि, मैकडोनाल्ड का मानना है कि मौजूदा खिलाड़ियों में अभी काफी क्रिकेट बाकी है। मैकडोनाल्ड ने कहा, टीम की उम्र, हम इस समय कहां हैं और किस तरह आगे बढ़ रहे हैं, इस पर हमेशा चर्चा होगी। हार इस चर्चा को और बढ़ा देती है। लेकिन मेरा मानना है कि इन खिलाड़ियों में अभी काफी क्रिकेट बाकी है।श उन्होंने कहा कि हार के बाद बदलाव की मांग होना स्वाभाविक है, लेकिन टीम प्रबंधन भावनाओं के आधार पर फैसला नहीं करेगा। मैकडोनाल्ड ने कहा, शहार के बाद बदलाव की मांग हमेशा होगी। बाहर से भी और अंदर से भी भावनाएं जुड़ी होंगी। ड्रेसिंग रूम में बैठे हमारे खिलाड़ी भी इसे महसूस कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट मैच खेलना उनके लिए बहुत मायने रखता है और टेस्ट हार का दर्द उन्हें होता है।

ऑस्ट्रेलियाई कोच ने कहा कि टीम जीत रही हो, तब भी विशेषज्ञ बदलाव की मांग करते हैं। उनके मुताबिक सिर्फ हार के बाद तुरंत खिलाड़ियों को बदल देना आसान रास्ता है। उन्होंने कहा,बदलाव की मांग करना आसान विकल्प है। बहुत से लोग हमारे जीतने के समय भी बदलाव की मांग करते हैं। शानदार प्रदर्शन के बाद ऐसी राय रखना उनका अधिकार है। यह हमारे काम का हिस्सा है। मैकडोनाल्ड ने साफ किया कि 22 अगस्त से मैके में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए चयनकर्ता सिर्फ पहली टेस्ट हार के आधार पर टीम में बदलाव नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, श्ऐसा नहीं होगा कि हमने यह टेस्ट मैच गंवा दिया और अचानक सब कुछ बदल देंगे। हम उसी प्रक्रिया से गुजरेंगे, जिससे आम तौर पर गुजरते हैं और फिर सर्वश्रेष्ठ एकादश चुनेंगे।

मैकडोनाल्ड ने मार्नस लाबुशेन की बल्लेबाजी पर भी बात की। लाबुशेन ने दूसरी पारी में 31 रन बनाए थे। कोच ने माना कि उनका प्रदर्शन कुछ समय तक अच्छा दिखा, लेकिन टीम को उनसे बड़े स्कोर की जरूरत है। उन्होंने कहा, श्हमारी सबसे बड़ी जरूरत रन हैं। दूसरी पारी में उन्होंने 31 रन बनाए और आउट होने तक वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। उनकी मूवमेंट अच्छी थी, वह पैड से गेंद को अच्छी तरह क्लिप कर रहे थे और सीधे बल्ले से भी अच्छे शॉट खेल रहे थे।श हालांकि, उन्होंने आगे कहा, श्लेकिन आखिरकार यह 31 रन ही हैं, बड़ा स्कोर नहीं। वह रन बनाने में संघर्ष कर रहे हैं। वह इसे महसूस करते हैं और हम भी इसे महसूस करते हैं। कोचिंग ग्रुप के तौर पर हम उनके साथ बहुत मेहनत कर रहे हैं। लाबुशेन को पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर किया गया था और अपनी बल्लेबाजी तकनीक में बदलाव करने के लिए कहा गया था। मैकडोनाल्ड ने माना कि लाबुशेन ने उन बदलावों को अपनाया है और डार्विन में दबाव के बावजूद उनकी तकनीक में सुधार नजर आया। उन्होंने कहा, हमने उनके खेलने के तरीके में कुछ बदलाव देखे, यह अच्छी बात है। ऐसा लग रहा है कि उन्होंने जिस काम पर मेहनत की थी, वह दबाव में भी कायम रहा। लेकिन यह 31 रन हैं। वह उस मौके को गंवाने से निराश हैं। उन्हें कुछ बड़े रन बनाने होंगे।

अपने पहले ही सीजन में चैंपियन बनी मैनचेस्टर सुपरजाएंट्स, जीत के बाद संजीव गोयनका का पोस्ट वायरल

लंदन,एजेंसी। द हंड्रेड के छठे संस्करण में मैनचेस्टर सुपरजाएंट्स ने पुरुष वर्ग का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। ट्रेंट रॉकेट्स के खिलाफ फाइनल में पांच विकेट से मिली जीत टीम का पहला खिताब है। जीत के बाद मालिक संजीव गोयनका का भावुक संदेश सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कप्तान जोस बटलर ने भी इसे पूरी टीम की मेहनत का नतीजा बताया। द हंड्रेड के छठे संस्करण का समापन मैनचेस्टर सुपरजाएंट्स के लिए ऐतिहासिक अंदाज में हुआ। टीम ने रविवार को लॉर्ड्स में खेले गए पुरुष वर्ग के फाइनल में ट्रेंट रॉकेट्स को पांच विकेट से हराकर पहली बार खिताब अपने नाम कर लिया। टीम की इस शानदार उपलब्धि के बाद मालिक संजीव गोयनका का रिएक्शन सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। ट्रेंट रॉकेट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 100 गेंदों में 158/8 का स्कोर बनाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मैनचेस्टर सुपरजाएंट्स ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने सिर्फ 38 गेंदों पर 72 रन की तूफानी पारी खेलकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। इसके बाद मुकाबला रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया। मैनचेस्टर को जीत के लिए अंतिम तीन गेंदों पर सिर्फ तीन रन की जरूरत थी। ऐसे में लियाम डॉसन ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी। मैनचेस्टर सुपरजाएंट्स ने पांच विकेट से मुकाबला अपने नाम कर पहली बार द हंड्रेड की ट्रॉफी उठा ली। यह जीत संजीव गोयनका के लिए इसलिए भी खास रही क्योंकि मैनचेस्टर सुपरजाएंट्स उनकी क्रिकेट फ्रेंचाइजी का नया अध्याय है। गोयनका आईपीएल की लखनऊ सुपरजाएंट्स के सह–मालिक भी हैं और मैदान पर अपनी जोशीली प्रतिक्रियाओं के लिए अक्सर चर्चा में रहते हैं।

हालांकि, इस बार खिताबी जीत के बाद उनका अंदाज बेहद भावुक नजर आया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर टीम को बधाई देते हुए लिखा, हमारे पहले ही सीजन में चैंपियन! मैनचेस्टर सुपरजाएंट्स। लॉर्ड्स में क्या रात रही। हम सभी के लिए यह गर्व का पल है। गोयनका ने अपनी पोस्ट में पूरी टीम के प्रदर्शन की तारीफ की।

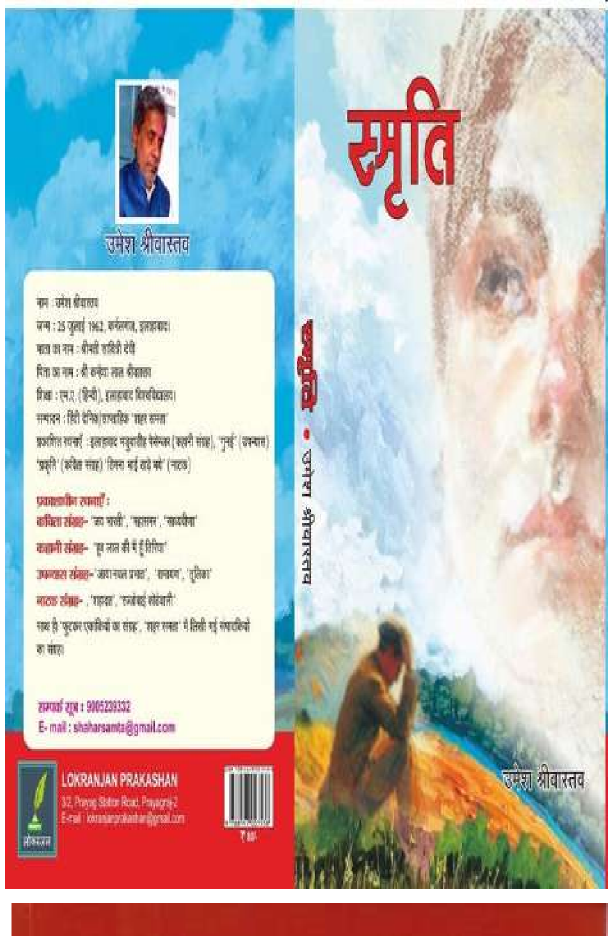

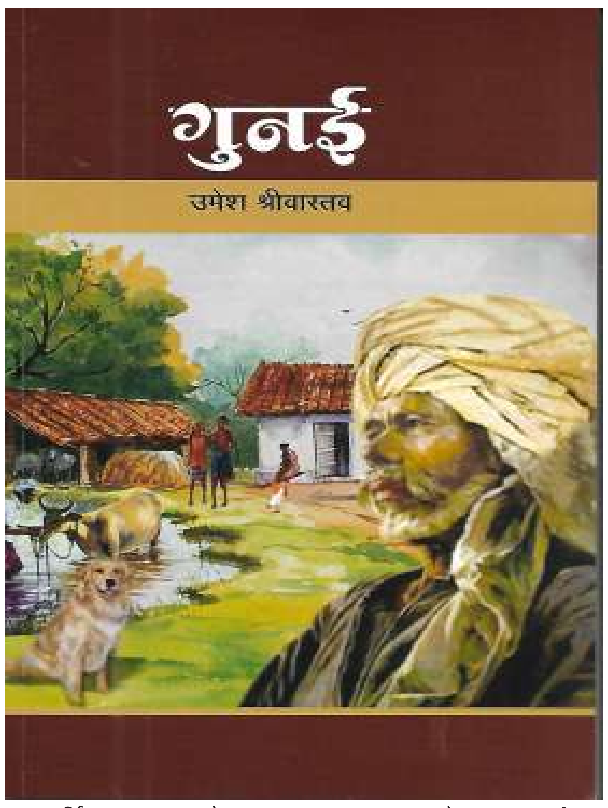

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

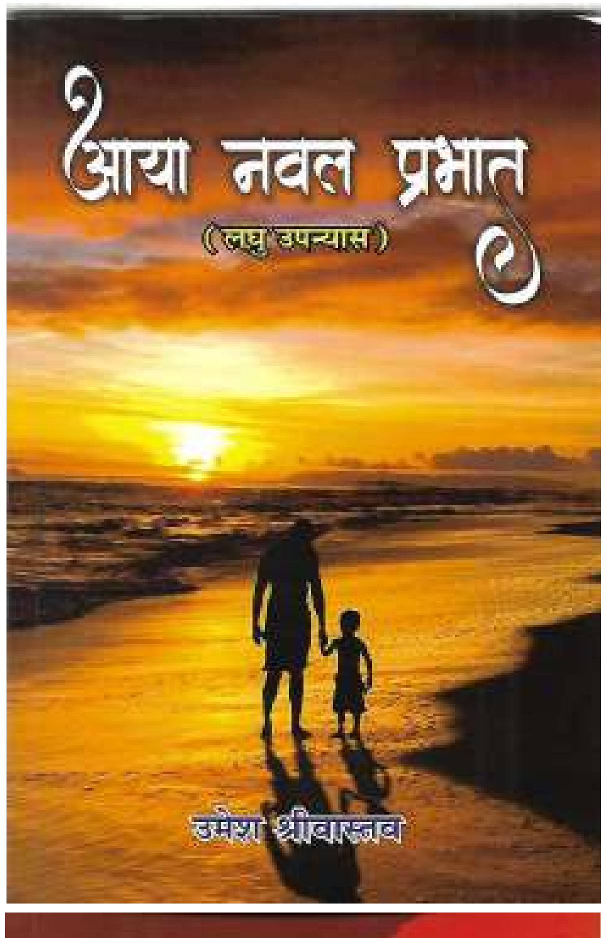

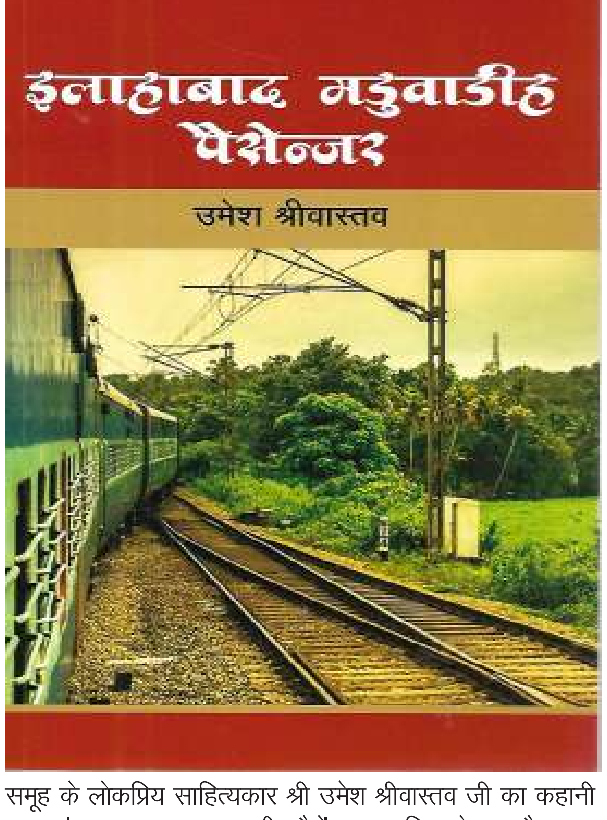

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

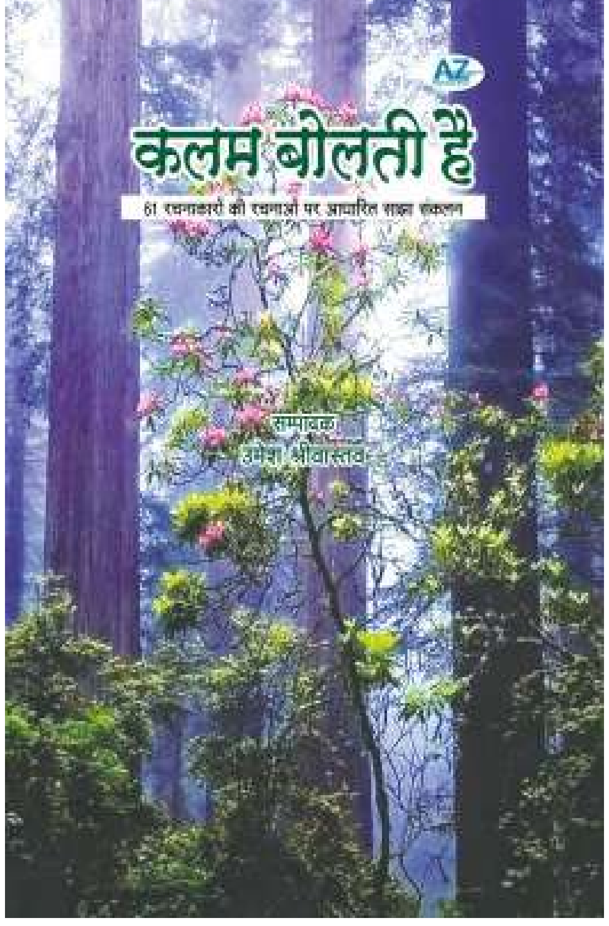

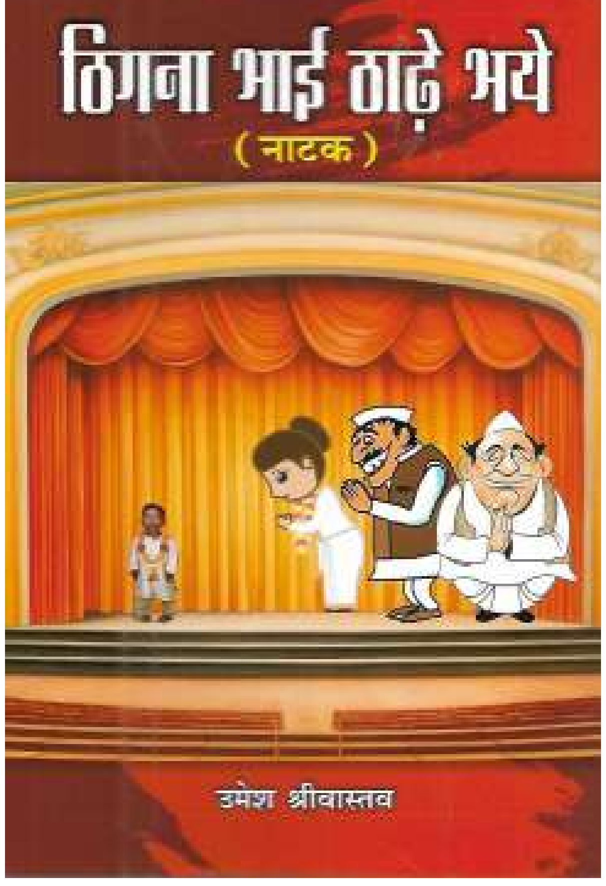

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

दूसरे विश्व युद्ध के बाद UK में पहले सिख फाइटर पायलट बने अर्शदीप, कैसे हासिल की बड़ी कामयाबी?

लंदन, एजेंसी। भारतीय मूल के फ्लाइट लेफ्टिनेंट अर्शदीप सिंह डांग ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) में फाइटर पायलट के रूप में प्रशिक्षण (ट्रेनिंग) पूरा करने वाले पहले सिख बन गए हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, आरएएफ ने बताया कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह पहली बार है, जब किसी सिख ने फाइटर स्क्वाड्रन से पायलट की विंग्स हासिल की हैं। अर्शदीप सिंह डांग (28) ने शुक्रवार 14

अगस्त को उत्तर वेल्स के आरएएफ वैली में फाइटर जेट पायलट ट्रेनिंग पूरी करने के समारोह में हिस्सा लिया। आरएएफ ने बताया कि अर्शदीप सिंह डांग ब्रिटेन की सैन्य पायलट ट्रेनिंग के तहत चौथे उड़ान प्रशिक्षण स्कूल में टेक्सन विमान उड़ाने की ट्रेनिंग पूरी करने वाले पहले सिख हैं। हालांकि, उनसे पहले भी सिख लोग शुरुआती पायलट ट्रेनिंग पूरी कर चुके हैं। डांग का जन्म 1998 में चंडीगढ़ में हुआ था। जब वह छह साल के थे, तब वह अपने परिवार के साथ ब्रिटेन चले गए। उनके पिता जगदीप सिंह डांग लुधियाना के रहने वाले हैं, जबकि उनकी मां गगनदीप कौर अमृतसर की रहने वाली हैं। उनका परिवार इंग्लैंड के साउथॉल में रहता है। मां का सपना था बेटा पायलट बने इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए डांग ने बताया कि उनके दादा सरदार संतोष सिंह डांग का सपना था कि उनका बेटा पायलट बने। लेकिन जब उनके पिता छह साल के थे, तब दादा की मौत हो गई। उन्होंने कहा, मेरे दादा सरदार संतोष सिंह डांग का सपना था कि मेरे पिता पायलट बनें। लेकिन जब मेरे पिता सिर्फ छह साल के थे, तब मेरे दादा की मौत हो गई। इसलिए मेरे पिता के पास अपना सपना पूरा करने के लिए जरूरी मौके और साधन नहीं थे। मेरे माता–पिता ने मुझे प्रोत्साहित किया और मुझे विश्वास होने लगा कि मैं पायलट बन सकता हूं और ऐसा हो गया। कहां से पढ़ाई की? डांग ने ब्रिस्टल विश्वविद्यालय से गणित और दर्शनशास्त्र की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने फरवरी 2022 में अधिकारी की ट्रेनिंग पूरी की और 2023 में शुरुआती उड़ान की ट्रेनिंग पूरी की। साइप्रस में काम करने के बाद उन्हें 2024 में लड़ाकू विमान उड़ाने की ट्रेनिंग के लिए चुना गया। उन्होंने मार्च 2025 में इसकी शुरुआती ट्रेनिंग शुरू की और उसी साल जुलाई में बेसिक फास्ट जेट ट्रेनिंग पूरी की। उन्हें अक्तूबर 2025 में अकेले उड़ान भरने के लिए टेक्सस भेजा गया। इसके बाद उन्होंने जुलाई 2026 में पायलट विंग्स की परीक्षा पास कर ली। अब वह एक और साल तक कड़ी ट्रेनिंग लेंगे। इसके बाद उन्हें फ्रंटलाइन फाइटर विमान उड़ाने की ट्रेनिंग दी जाएगी। अर्शदीप सिंह ने क्या कहा? डांग ने कहा, मेरे लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने समुदाय का प्रतिनिधित्व करना गर्व की बात है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ऐसा करने वाला मैं पहला सिख हूं, लेकिन मैं नहीं चाहता कि मैं आखिरी रहूं। उन्होंने अपनी इस कामयाबी का श्रेय अपने परिवार और सिख परवरिश को भी दिया। उन्होंने कहा, मेरे माता–पिता ने मुझे प्रोत्साहित किया। उन्होंने अपनी मां को अपनी सबसे बड़ी ताकत बताया। डांग ने बताया कि उनका परिवार आज भी घर में पंजाबी भाषा में बात करता है और नियमित रूप से गुरुद्वारे जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाबी भावना श्चढ़दी कलाश यानी मुश्किल हालात में भी हमेशा उत्साह और हिम्मत बनाए रखना, ने कठिन उड़ानों के दौरान उनकी मदद की। डांग की यह कामयाबी ब्रिटिश सेना में काम करने वाले भारतीय मूल के पायलटों की लंबी परंपरा का हिस्सा है। उनसे पहले प्रथम विश्व युद्ध के पायलट इंद्र लाल राय और सिख पायलट हरदित सिंह मलिक तथा स्क्वाड्रन लीडर मोहिंदर सिंह पुज्जी भी ब्रिटिश सैन्य विमानन में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

वीजा में एआई की मार: भारत की 28 सदस्यीय टीम से 10 बाहर, वरिष्ठ अधिकारी भी नहीं बचे, क्या बदलेगा पूरा सिस्टम?

सान फ्रांसिस्को, एजेंसी। वैश्विक भुगतान कंपनी वीजा ने अपने वैश्विक कार्यबल में करीब सात प्रतिशत यानी लगभग 2,600 नौकरियों में कटौती की घोषणा की है। यह फैसला कंपनी की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत कामकाज को एजेंटिक एआई के आसपास नए सिरे से तैयार किया जा रहा है। एजेंटिक एआई ऐसी तकनीक है जो इंसान के हर कदम के निर्देश का इंतजार किए बिना कई काम खुद करने में सक्षम होती है। वित्तीय वर्ष 2025–26 में वीजा के पास करीब 34100 कर्मचारी थे। इस हिसाब से करीब हर 14 कर्मचारियों में से एक की नौकरी प्रभावित हुई है। भारत में छंटनी का असर कितना बड़ा रहा? भारत में वीजा के बंगलूरू, मुंबई, चेन्नई और हैदराबाद स्थित तकनीकी और कॉरपोरेट केंद्रों में 3,500 से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं। कंपनी ने भारत में छंटनी की सटीक संख्या सार्वजनिक नहीं की है। हालांकि, एक 28 सदस्यीय भारतीय टीम में से 10 लोगों की नौकरी जाने की जानकारी सामने आई है। प्रभावित कर्मचारियों में वरिष्ठ निदेशक, इंजीनियरिंग प्रबंधक और इंजीनियर भी शामिल हैं। इससे संकेत मिलता है कि छंटनी का असर केवल शुरुआती या कनिष्ठ स्तर के कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहा है। कर्मचारियों को छंटनी के बाद क्या मिला और क्या हुआ? प्रभावित कर्मचारियों को 15 से 30 दिन के नोटिस पीरियड और सेवरेंस पैकेज की पेशकश की गई।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

उन्हें मेरी जगह बच्चे पसंद', प्रेस सेक्रेटरी लेविट के इस्तीफे पर मजाकिया अंदाज में बोले ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट जल्द ही अपने पद से हटने वाली हैं। इसी बीच जब पत्रकार मैकएडम्स ने ट्रंप से पूछा कि क्या लेविट की जगह किसी और को लाया जा सकता है, तो ट्रंप ने उनका खुलकर बचाव किया। उन्होंने कहा कि लेविट की जगह लेना आसान नहीं होगा। इसके साथ ही उनकी तारीफ करते हुए मजाकिया अंदाज में उनके इस्तीफे पर भी टिप्पणी की। राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या कहा? ट्रंप ने कहा, श्मुझे पता चला है कि कैरोलिन लेविट ट्रंप से ज्यादा अपने बच्चों को पसंद करती हैं। मुझे इस बात की बहुत चिंता है।श उन्होंने लेविट के अपने दो छोटे बच्चों को प्राथमिकता देने के फैसले

का जिक्र करते हुए यह बात कही। ट्रंप ने पत्रकार से क्या सवाल पूछा? जब मैकएडम्स ने पूछा कि लेविट के जाने के बाद ब्रीफ्रिंग रूम के पोडियम पर कौन आएगा, तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने वही सवाल पत्रकार से ही पूछ लिया। ट्रंप ने मैकएडम्स से पूछा, श्आप?श उन्होंने आगे कहा, श्आपके बारे में क्या ख्याल है?श इसके बाद ट्रंप ने मैकएडम्स के ब्रॉडकास्टिंग के काम की और तारीफ करने से पहले, पास ही खड़ी लीविट की प्रतिक्रिया जानी। ट्रंप ने उनसे कहा, श्मैं हमेशा से आपको पसंद करता रहा हूं।श इसके साथ ही यह भी कहा कि वह अपनी भूमिका बखूबी निभा रही हैं। इस बातचीत ने लोगों का ध्यान खींचा क्योंकि ट्रंप ने अभी तक लेविट की जगह लेने वाले का आधिकारिक तौर पर एलान नहीं किया है। लेविट ने क्या कहा? लेविट ने इस हफ्ते की शुरुआत में पुष्टि की थी कि वह अगस्त के आखिर में अपना पद छोड़ देंगी ताकि अपने परिवार के साथ ज्यादा ममय बिता सकें। बच्चों की परवरिश और इस मुश्किल काम के बीच संतुलन बनाने की चुनौतियों का जिक्र करते हुए, उन्होंने अपनी मां के तौर पर जिम्मेदारियों पर ध्यान देने की इच्छा जताई। ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से उनके इस फैसले का समर्थन किया है। इसके साथ ही साफ किया कि व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद वह एक अहम बाहरी सलाहकार की भूमिका संभालेंगी। लेविट ने पद क्यों छोड़ा?

लेविट ने 1 मई को अपने दूसरे बच्चे को जन्म दिया था। अपनी मैटरनिटी लीव पूरी करने के बाद 16 जुलाई को ब्रीफिंग की जिम्मेदारियों पर लौटीं। हालांकि, उन्होंने इससे पहले ही कुछ चुनिंदा जिम्मेदारियां संभालना शुरू कर दिया था। उनके जाने से ट्रंप के दूसरे प्रशासन के कम्युनिकेशन सेटअप में एक अहम बदलाव आएगा, क्योंकि वह प्रशासन की नीतियों का बचाव करते हुए पोडियम पर एक अहम चेहरा रही हैं।

ऑनलाइन क्या अटकलें लगाई जा रही हैं? इस बीच, उनके इस्तीफे को लेकर ऑनलाइन अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ लोग इस फैसले को तुर्की से ट्रंप के जाने के दौरान हुई सुरक्षा से जुड़ी एक घटना से जोड़कर देख रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका में ईरानी दूतावास ने उनके जाने को अंकारा में 8 जुलाई को हुई एक घटना से जोड़ा है। दूतावास का आरोप है कि सुरक्षा खघ्तरे के कारण ट्रंप दूसरे विमान में चले गए और लीविट को पीछे छोड़ दिया। व्हाइट हाउस ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि लीविट उस विमान में सवार नहीं थीं। ट्रंप ने बताया कि ईरान से जुड़े एक गंभीर खतरे का पता चलने के बाद मिलिट्री और सुरक्षा कर्मियों ने विमान बदलने की सलाह दी थी। लेविट ने कहा है कि उनके इस्तीफे की एकमात्र वजह उनका परिवार है। ट्रंप ने उनके फैसले का सम्मान करते हुए फिर कहा कि वह बाहरी सलाहकार के तौर पर उनके राजनीतिक दायरे में सक्रिय रहेंगी। व्हाइट हाउस ने अभी तक उनकी जगह लेने वाले किसी व्यक्ति के नाम की पुष्टि नहीं की है।

गाजा में कत्लेआम की खुली वकालत: नेतन्याहू के मंत्री की विवादित मांग, बोले- 'हर रात 30-40 फलस्तीनियों को मारो'

एजेंसी/इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के गठबंधन में शामिल कट्टरपंथी इस्राइली सांसद ने सार्वजनिक रूप से गाजा में हर रात श्30 से 40श लोगों को मारने की वकालत की है। रविवार को सामने आए उनके इन बयानों को फलस्तीनी मीडिया ने साझा किया है। बेन–ग्विर ने यह बयान गाजा में बंधक रहे रोम ब्रास्लाव्स्की के साथ एक पॉडकास्ट बातचीत के दौरान दिया। दोनों 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले के बाद इस्राइल की स्थिति पर चर्चा कर रहे थे। इसी दौरान बेन–ग्विर ने गाजा में हाल के दिनों में हमलों को कम करने के इस्राइल के फैसले की आलोचना की। राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार के इस बयान ने गाजा में जारी युद्ध और इस्राइल की सैन्य कार्रवाई को लेकर एक बार फिर गंभीर बहस छेड़ दी है। बेन–ग्विर बोले– हर रात 30 से 40 लोगों को खत्म किया जाए बेन–ग्विर ने पॉडकास्ट बातचीत के दौरान कहा, श्यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि मैं प्रधानमंत्री से सहमत नहीं हूं। मेरा मानना है कि गाजा में टार्गेट किलिंग की जानी चाहिए, जिसमें हर रात 30 से 40 लोगों को खत्म किया जाए। सिर्फ वे लोग ही नहीं, जिनसे तत्काल खतरा है, बल्कि वहां ऐसे लोग भी हैं जो जीने के लायक नहीं हैं। उन्हें जीवित नहीं रहना चाहिए। वे इंसान कहलाने के लायक भी नहीं हैं।ष पहले भी विवादों में रहे हैं बेन–ग्विर के बयान यह कोई पहली बार नहीं है जब बेन–ग्विर ने ऐसा बयान दिया है। इससे पहले भी वह और इस्राइल के दूसरे अधिकारियों ने ऐसे बयान दिए हैं और उनके बयानों की कड़ी आलोचना हो चुकी है। उनके कई बयानों को संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय अदालत में नरसंहार की मंशा

के सबूत के तौर पर पेश किया गया है। हालांकि, इस्राइल इस आरोप से इनकार करता रहा है कि उसने गाजा में नरसंहार किया है। 7 अक्टूबर के हमले के बाद बढ़ी बेन–ग्विर की लोकप्रियता 2023 में हमास के हमले के बाद बेन–ग्विर जैसे नेताओं की इस्राइली समाज के एक हिस्से में लोकप्रियता बढ़ी है। उस हमले में चरमपंथियों ने करीब 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी और 251 लोगों को बंधक बना लिया था। कई बंधकों ने लंबे समय तक भूखे रहने, शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना तथा कुछ मामलों में यौन शोषण की बात बताई है। सेना पर सीधे अधिकार नहीं, फिर भी प्रभावशाली बेन–ग्विर के पास इस्राइली सेना पर कोई प्रत्यक्ष अधिकार नहीं है और वह गाजा में सैन्य हमलों का आदेश नहीं दे सकते। हालांकि, दशकों तक इस्राइल की अति–दक्षिणपंथी विचारधारा वाले गुटों के साथ काम करने के बाद वह अब देश के सबसे प्रभावशाली नेताओं में शामिल हैं। जेलों और पुलिस पर बेन–ग्विर का नियंत्रण इस्राइल की सुरक्षा व्यवस्था के अहम हिस्सों पर बेन–ग्विर का खासा प्रभाव है। वह देश की जेलों और राष्ट्रीय पुलिस बल की जिम्मेदारी संभालते हैं। इन जेलों में गाजा और वेस्ट बैंक के हजारों फलस्तीनी कैदी बंद हैं। बेन–ग्विर पहले भी फलस्तीनी कैदियों के भोजन में कटौती की वकालत कर चुके हैं। इस्राइल की सर्वोच्च अदालत ने 2025 में फैसला दिया था कि बेन–ग्विर के नेतृत्व में जेल प्रशासन फलस्तीनी कैदियों को जिंदा रहने के लिए जरूरी भोजन भी उपलब्ध नहीं करा रहा था। युद्धविराम के बाद भी गाजा में जारी रहे हमले

हाल तक इस्राइल लगभग हर दिन गाजा पर हमले कर रहा था। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, अक्टूबर में लागू हुए युद्धविराम समझौते के बाद से इन हमलों में 1,250 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। इस्राइली सेना का कहना है कि उसके हमलों में हमास के लड़ाकों को निशाना बनाया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव के बाद इस्राइल ने हमलों में कुछ नरमी बरती। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ, जब नेतन्याहू ने युद्धविराम को आगे बढ़ाने की ट्रंप की हालिया कोशिश को ठुकरा दिया था। हमलों का अधिकार सीमित होने से दक्षिणपंथी नाराज

इस्राइली मीडिया ने पिछले सप्ताह रिपोर्ट दी थी कि गाजा में हमले करने का अधिकार अब सेना के चीफ ऑफ स्टाफ तक सीमित कर दिया गया है। इस फैसले से बेन–ग्विर जैसे दक्षिणपंथी सांसदों में नाराजगी है। बेन–ग्विर ने गाजा से फलस्तीनियों को हटाने की भी वकालत की उसी रिकॉर्ड किए गए इंटरव्यू में बेन–ग्विर ने गाजा से फलस्तीनियों के बड़े पैमाने पर पलायन की वकालत की। अंतरराष्ट्रीय कानून के जानकार ऐसे प्रस्ताव को श्एथनिक क्लींजिंगश यानी नस्लीय सफाए के तौर पर देख सकते हैं। उन्होंने गाजा में इस्राइली बस्तियां दोबारा बसाने की भी बात कही।

पूरे गाजा को अपना मानता हूंश बीस साल पहले इस्राइल गाजा पट्टी से हट गया था। उस दौरान उसने श्गुश कातिफश नाम की 21 यहूदी बस्तियों को खाली कराया और अपनी सेना को वहां से वापस बुला लिया था। बेन–ग्विर ने इंटरव्यू में कहा, श्मैं पूरे गाजा को अपना मानता हूं। सिर्फ गुश कातिफ में ही नहीं, बल्कि पूरे गाजा में बस्तियां बसाना, ज्यादा से ज्यादा लोगों को वहां से जाने के लिए प्रोत्साहित करना, उन्हें उनके देशों में भेजना और आतंकवादियों के लिए कोई पलायन नहीं, कुछ नहीं, बस उन्हें एक–एक करके मार डालना। ट्रंप की योजना में हमास से हथियार छोड़ने की शर्त अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया प्रस्ताव में हमास के धीरे–धीरे हथियार छोड़ने और इस्राइली सेना के हमले रोककर गाजा से पीछे हटने की योजना शामिल है। हमास ने इस समझौते को स्वीकार कर लिया है, हालांकि उसने अपने सबसे भारी हथियार सौंपने की शर्त को फलस्तीनी राज्य के गठन से जोड़ दिया है। इस मांग को इस्राइल की मौजूदा सरकार और ज्यादातर इस्राइली राजनेता पूरी तरह खारिज करते हैं। नेतन्याहू का रुख बना हुआ है सख्त नेतन्याहू का कहना है कि जब तक हमास के हथियार पूरी तरह जब्त नहीं कर लिए जाते, तब तक इस्राइल गाजा में अपनी किसी भी स्थिति से पीछे नहीं हटेगा। इस रुख के कारण प्रस्तावित युद्धविराम के दूसरे पहलू भी आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। इनमें अंतरराष्ट्रीय सेना की तैनाती और युद्ध से तबाह गाजा के पुनर्निर्माण जैसे मुद्दे शामिल हैं, जो फिलहाल ठंडे बस्ते में पड़े हैं।

सऊदी-तुर्किए-पाकिस्तान रक्षा समझौते पर ट्रंप ने दी प्रतिक्रिया, क्यों बताया इस्लामिक नाटो को बड़ा कदम?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब, तुर्किए और पाकिस्तान के बीच हुए रक्षा समझौते को अपनी सुरक्षा करने की दिशा में एक बड़ा, साहसी और महत्वपूर्ण कदम

बताया है। ट्रंप की यह टिप्पणी इन तीनों देशों द्वारा श्मक्का संयुक्त रक्षा समझौतेश पर हस्ताक्षर करने के कुछ दिनों बाद आई है। इस समझौते के तहत, तीनों में से किसी भी देश के खिलाफ किसी भी सशस्त्र हमले को उन सभी के खिलाफ हमला माना जाएगा। ट्रंप ने समझौते को लेकर क्या कहा? ट्रंप ने श्ट्रुथ सोशलश पर एक पोस्ट में कहा, श्यह देखकर बहुत खुशी हुई कि सऊदी अरब, तुर्किए और पाकिस्तान ने हाल ही में मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह दिखाता है कि मध्य पूर्व कैसे एकजुट हो रहा है और देश आखिरकार कैसे अधिक सार्थक तरीके से अपनी सुरक्षा कर सकेंगे।श ट्रंप ने लिखा, श्तीनों देशों के महान नेतृत्व को बधाई। यह एक बड़ा, साहसी और महत्वपूर्ण पहला कदम है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने समझौते पर क्या प्रतिक्रिया दी थी इस समझौते पर 7 अगस्त को सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, तुर्किए के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हस्ताक्षर किए थे। भारत ने कहा है कि वह अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ–साथ क्षेत्रीय शांति और स्थिरता पर मक्का समझौते के असर का आकलन कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 11 अगस्त को कहा, श्जहां तक इस समझौते की बात है, हम भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय शांति व स्थिरता के नजरिए से इसके असर की जांच कर रहे हैं। जायसवाल ने कहा, श्भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस संबंध में सभी आवश्यक कदम उठाएगा। इस समझौते को क्यों कहा जा रहा इस्लामिक नाटो? अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो सैन्य संगठन का अनुच्छेद 5 कहता है कि एक सदस्य के खिलाफ किसी भी तरह की आक्रामकता को सभी पर हमला माना जाएगा।

गुमनाम भारतीय सोशल मीडिया खाते से शुरू हुआ फर्जी दावा, ट्रंप और नेतन्याहू तक कैसे पहुंचा?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष केवल आसमान या होर्मुज जलडमरूमध्य तक सीमित नहीं है। जहां मिसाइल और ड्रोन हमले लगातार सुर्खियों में हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर भी एक अलग तरह की जंग चल रही है। यहां मीम और गलत जानकारी के जरिये दावे और उसके जवाब में

दूसरे दावे तेजी से वायरल हो रहे हैं। इन दावों और जवाबी दावों का असर अब जंग और युद्धविराम पर रुकी वार्ता पर भी पड़ रहा है। हाल की एक घटना से इस बात को साफ तौर पर समझा जा सकता है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर इंटरनेट पर एक सनसनीखेज और बिना सबूत का दावा वायरल हुआ। यह दावा एक छोटे से खाते से शुरू हुआ। लेकिन कुछ ही घंटों में यह दावा इस्राइल औरअमेरिका के अखबारों की सुर्खियां बन गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने भाषण में इसका जिक्र भी किया। वहीं, डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने भी इसे सोशल मीडिया पर साझा किया। गुमनाम खाते ने क्या दावा किया था? पांच अगस्त की सुबह कथित तौर पर भारत से चल रहे एक गुमनाम एक्स खाते ने भी ऐसा दावा किया, जिसे देखकर लगा कि यह बहुत बड़ी खबर है। पोस्ट में दावा किया गया कि ईरान के इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल अहमद वाहिदी ने कहा है कि जब तक इस्राइल और अमेरिका के पास परमाणु हथियार हैं, तब तक ईरान भी परमाणु हथियार हासिल करने की कोशिश कभी नहीं छोड़ेगा। पोस्ट के साथ जनरल की तस्वीर और परमाणु विस्फोट के बाद बनने वाले बादल की एआई से बनाई गई तस्वीर भी लगाई गई थी। लेकिन इस बात का कोई सबूत नहीं था कि जनरल ने ऐसा कुछ कहा था। यह साबित करने वाला भी कोई सबूत नहीं था कि ईरान ने परमाणु हथियार बना रहा है। इसके बावजूद यह दावा तेजी से वायरल हुआ। इस्राइल से अमेरिका तक कैसे फैला झूठा दावा? इस दावे को इस्राइल के कई सोशल मीडिया खातों ने साझा किया। इसके बाद वहां के एक टेलीविजन चौनल ने भी इसे प्रसारित किया। चौनल ने इसे ईरान की ओर से परमाणु बम बनाने की पहली खुली स्वीकारोक्ति बताया। उसी शाम यह दावा इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के भाषण तक पहुंच गया। नेतन्याहू ने यरूशलम में इस्राइल के कब्रिस्तान माउंट हर्जल में दिए भाषण में इसे ईरान की मंशा का सबूत बताया। अमेरिका के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने भी इस दावे को ऑनलाइन साझा किया। उन्होंने लिखा, ईरान आखिरकार उस बात को मान रहा है, जो कई साल से साफ दिखाई दे रही थी। फ्लोरिडा के सीनेटर रिक स्कॉट ने भी इस पोस्ट को दोबारा साझा किया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।